डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

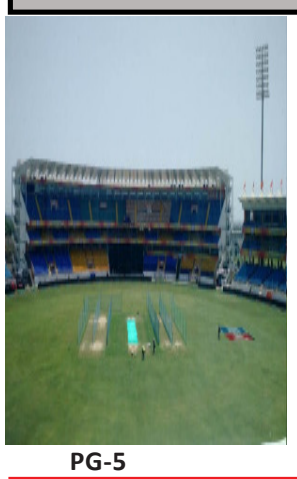

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-5

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

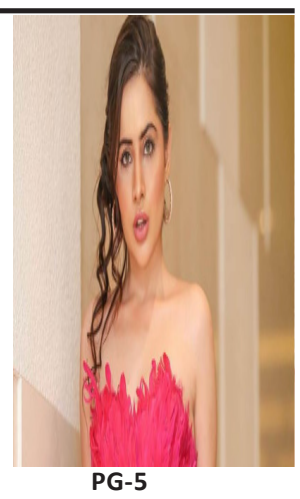

सिनेमा:ऊर्फी जावेद ने जब सिर्फ सिल्वर फॉइल लपेटकर करवाया था फोटोशूट पोज.......

वर्ष -08 अंक -94 प्रयागराज, शुक्रवार 17 जून, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

केरल के सीएम विजयन पर स्वप्ना सुरेश ने फोड़ा एक और बम, लगाया ये आरोप

कोच्चि। केरल में सोने की तस्करी का मामला अभी थमा भी नहीं था कि सीएम विजयन पर लगातार नए आरोप लगते जा रहे हैं। मुख्य आरोपी स्वपन सुरेश ने एक बार फिर आरोप लगाया है कि राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन अपने परिवार के व्यवसायिक हित के लिए कई लोगों से सांठगांठ करते थे। स्वपन ने कहा कि सितंबर 2017 में सीएम ने अपनी बेटी के आईटी व्यवसाय खोलने के लिए बोली को स्वीकृति देने हेतु शारजाह के शासक से अधिकारिक दौरे के दौरान मदद मांगी थी। स्वपन ने यह दावा एर्नाकुलम जिला सत्र न्यायालय के समक्ष दायर एक हलफनामे में किया जो बुधवार को सार्वजनिक हुआ।

30 को प्रयागराज में जुटेंगे तीन मंडल के किसान, उत्पादन बढ़ाने के सीखेंगे गुर

मीरजापुर । खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिया है। एक साथ तीन मंडल के किसानों को पैदावार बढ़ाने के तरीके बताए जाएंगे। इसके लिए 30 जून को प्रयागराज में मंडलीय उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रयागराज, विंध्याचल व वाराणसी मंडल की सहभागिता होगी यानी तीनों मंडल के किसान एक साथ जुटेंगे।ष्क्चष्टक्रुसन्मंडलीय गोष्ठी कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में होगी। यदि उत्पादन आयुक्त उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो अपर मुख्य सचिव कृषि, प्रमुख सचिव या फिर मंडलायुक्त की अध्यक्षता में गोष्ठी होगी। खरीफ गोष्ठी का समन्वय कृषि निदेशक करेंगे। गोष्ठी में खरीफ अभियान से संबंधित विभागाध्यक्ष शामिल होंगे। अपरिहार्य स्थिति में उनके न पहुंचने पर नामित अधिकारी को भेजा जाएगा। गोष्ठी के बाद कृषि उत्पादन आयुक्त कृषि फार्म, जल जीवन मिशन स्थल आदि का भ्रमण करेंगे।

नवाब मलिक और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एस सी में याचिका दाखिल, बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली। मनी लांड्रिंग केस में फंसे महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, नवाब मलिक और सत्येंद्र जैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई है। याचिका में दोनों नेताओं को बर्खास्त करने की मांग की गई है भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने ये पीआईएल दाखिल की है। उन्होंने कहा कि दोनों मंत्री जो विधायक भी हैं, वे शपथ लेते हैं कि न्यायिक हिरासत में दो दिन रहने के बाद उन्हें पद से अस्थायी रूप से वंचित कर दिया जाएगा। ऐसे में अदालत को उनकी बर्खास्तगी के निर्देश देने चाहिए। उन्होंने कहा कि दो दिन से अधिक दिन की हिरासत में रहने पर जज, आईएएस, आईपीएस और दूसरे सरकारी नौकर को अस्थायी रूप से पद से हटा दिया जाता है, दोनों मंत्री अपने पद पर बने हुए हैं अश्विनी उपाध्याय ने महाराष्ट्र सरकार को अपने कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को बर्खास्त करने का निर्देश देने की मांग की है। याचिका में कहा गया कि नवाब मलिक को 23 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े काले धन, बेनामी संपत्तियों, मनी लान्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के मामलों की जांच जारी है। उन्होंने अपनी याचिका में दिल्ली सरकार से मंत्री सत्येंद्र जैन को भी बर्खास्त करने की मांग की। जैन को 31 मई को गिरफ्तार किया गया था। जैन काला धन, बेनामी संपत्तियों, शेल कंपनियों, मनी लान्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से सियासी गोलबंदी शुरु, जाने क्या है राजनीतिक समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु हो गई है। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव के लिए गहमागहमी भी तेज हो गई है। सत्ता व विपक्ष की ओर से सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए बुधवार से नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरु हो गई तो दूसरी तरफ सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से सियासी गोलबंदी शुरु हो गई है। एनडीए के खिलाफ विपक्ष ने साझा उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आम सहमति बनाने के लिए ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, नवीन पटनायक और नीतीश कुमार से फोन पर बात की विपक्षी एकजुटता की जरूरत को देखते हुए दीदी द्वारा बुलाई गई इस बैठक में कांग्रेस समेत अधिकांश दलों ने शिरकत की मगर आम आदमी पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति से लेकर एएमआइएम आदि ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। राजग और संप्रग दोनों खेमों से बाहर रहने वाले दलों बीजद, वाइएसआर कांग्रेस, अकाली दल बादल ने भी बैठक से दूरी बनाई। इन दलों की राष्ट्रपति चुनाव में अहम भूमिका होनी है और ऐसे में यह विपक्ष के लिए सकारात्मक संकेत तो नहीं ही है। टीआरएस और आम आदमी पार्टी जैसे टीएमसी के करीबी दलों के बैठक में नहीं आने के सवाल पर ममता ने कहा कि किसी विशेष वजह से कुछ पाटिर्यां नहीं आई हैं लेकिन इसमें संदेह नहीं कि विपक्ष एकजुट होकर राष्ट्रपति चुनाव के मैदान में उतरेगा विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रपति चुनाव में साझा उम्मीदवार मैदान में उतारने पर सहमति बन गई है, लेकिन प्रत्याशी अभी तय नहीं हुआ है क्योंकि सक्रिय राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं राकांपा प्रमुख शरद पवार ने विपक्ष का सर्वसम्मत प्रत्याशी बनने से इन्कार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने 17 विपक्षी दलों की बैठक में पवार के इन्कार के बाद नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी का नाम सुझाया। हालांकि कांग्रेस व अन्य दलों ने इन दोनों समेत किसी भी नाम का सुझाव नहीं दिया है। विपक्ष से राष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर मंथन शुरू होता उससे पहले ही भाजपा ने साथी ही नहीं विपक्षी दलों को भी टटोलना शुरू कर दिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस की ओर से नियुक्त नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, शरद पवार, मायावती, अखिलेश यादव, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दूसरे कई दलों के नेताओं से बात की। हालांकि इस बातचीत में दोनों ओर से उम्मीदवारों के नामों को लेकर ही एक दूसरे को टटोलने की कोशिश ही होती रही। चुनाव आयोग ने बुधवार को अधिसूचना जारी कर राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। 29 जून तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 30 को पत्रों की जांच की जाएगी। दो जुलाई तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव 18 जुलाई और मतगणना 21 को होगी। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का कार्यकाल 24 जुलाई तक है। सूत्रों के अनुसार पहले दिन 11 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में जेडीयू, एआईएडीएमके, अपना दल (सोनेलाल), एलजेपी, एनपीपी, निषाद पार्टी, एनपीएफ, एमएनएफ, एआईएनआर कांग्रेस जैसे 20 छोटे दल शामिल हैं। इस तरह से एनडीए के पास कुल 10,86,431 में से करीब 5,35,000 मत हैं, जिसमें उसके सहयोगियों दलों को वेट शामिल हैं। मौजूदा आंकड़ों के हिसाब से एनडीए को अपने राष्ट्रपति उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए 13 हजार वोटों की और जरूरत पड़ेगी। भाजपा और उसके सहयोगियों के पास कुल वोट का करीब 48 फीसद वोट है। कांग्रेस के अगुवाई वाले यूपीए के पास अभी दो लाख 59 हजार 892 वैल्यू वाले वोट हैं। इनमें कांग्रेस के अलावा, डीएमके, शिवसेना, आरजेडी, एनसीपी जैसे दल शामिल हैं।

राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को मिल चुके कोरोना वैक्सीन के 193.53 करोड़ से अधिक डोज: मंत्रालय

नई दिल्ली। देश भर में जारी कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के तहत सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्र सरकार की ओर से मुफ्त में वैक्सीन डोज की खेप मुहैया कराई जा रही है। इस क्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को आंकड़ा जारी किया है। इसमें बताया गया है कि अब तक कोरोना वैक्सीन के 193.53 करोड़ से अधिक डोज देश के सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को मुहैया कराए जा चुके हैं। आंकड़ों में यह बताया गया है कि अब भी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के पास वैक्सीन के 13.28 करोड़ डोज बचे हैं जिनका अब तक उपयोग नहीं किया गया है।

राहुल से ईडी की पूछताछ को लेकर बेंगलुरु में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, लंबा ट्रैफिक जाम लगने से एंबुलेंस भी फंसी

बेंगलुरु। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा राहुल गांधी से पूछताछ को लेकर आज एक बार फिर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामेदार विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राज्य के कई इलाकों में सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने भाजपा के खिलाफ ज्ञापन और शिकायत पत्र देने के लिए पार्टी कार्यालय से राजभवन तक मार्च भी निकाला। राहुल गांधी से ईडी द्वारा तीन दिन तक चली पूछताछ का विरोध कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भी सड़क पर उतरकर किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध हमारा अधिकार है, हम न्याय के लिए लड़ेंगे। इस बीच शिवकुमार ने आरोप लगाया कि ईडी किसी भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है, वे केवल कांग्रेस के लोगों को परेशान कर रहे हैं। दूसरी ओर इस विरोध और मार्च से पहले बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम देखा गया जिसमें एक एंबुलेंस भी फंस गई।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से लोगों को राहत, यूपी-बिहार में आज होगी झमाझम बारिश जानें अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। भीषण गर्मी जूझ रहे दिल्लीवासियों को बारिश ने राहत दे दी है। गुरुवार देर रात दिल्ली के कई हिस्सों में तेज हवाएं चलीं और झमाझम बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के नोएडा के भी कुछ इलाकों में बारिश ने दस्तक दी। मौसम के अचानक करवट लेने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। देश के ज्यादातर राज्यों में बारिश ने दस्तक दे दी है और रोजाना झमाझम बरसात हो रही है। दक्षिण भारत में मानसून की वजह से बारिश हो रही है तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में प्री-मानसून की बारिश ने लोगों को राहत पहुंचाई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही देशभर के सभी राज्यों में मानसून दस्तक दे देगा। अगले पांच दिनों तक कई राज्यों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। इन राज्यों में पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड आदि शामिल हैं। राजधानी दिल्ली में बृहस्पतिवार को दिनभर बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के आसार है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की भी संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 व 30 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। अगले चार दिनों तक दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में मध्यम से हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है । हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को भारी वर्षा की चेतावनी जारी है। अगले तीन दिन तक मौसम के तेवर कड़े रहेंगे।मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के मंडी व कांगड़ा जिलों में ओलावृष्टि जबकि शेष हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने व गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। बुधवार को राजधानी शिमला सहित भुंतर, धर्मशाला, कल्पा में बरसात होने से गर्मी से राहत मिली थी । गर्मी की मार झेल रहे पंजाब के लोगों को बुधवार देर शाम चली आंधी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार से रविवार तक मौसम सुहावना रहने का अनुमान है। उसके बाद फिर से मौसम साफ होगा। पंजाब के कई हिस्सों में गुरुवार को बारिश होगी। उत्तराखंड में वर्षा से चुभती गर्मी से मिलेगी राहत। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार गुरुवार और शुक्रवार को देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के साथ ही कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, अन्य जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। मैदानी क्षेत्रों में अंधड़ चलने की आशंका है।

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रस्तुतीकरण में प्रधान हन्डौर नीतेश सिंह बीरू हुए चयनित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। सरकार की ग्राम पंचायतों को साफ सुथरा रखने की दृष्टि से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है जिसका प्रशिक्षण एवं प्रस्तुतीकरण मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश के समक्ष करवाया गया।इस प्रस्तुतीकरण में इस जनपद के दस प्रधानों ने भाग लिया। निदेशालय ने हन्डौर ग्राम पंचायत के प्रधान नीतेश सिंह बीरू के प्रस्तुतीकरण को सर्वोत्तम मानते हुए उन्हें इस कार्यक्रम हेतु चयनित किया जिससे इस ग्राम पंचायत में इस कार्यक्रम को लागू कर इसके विकास को और भी अधिक बल मिलेगा। प्रस्तुतीकरण के इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव के समक्ष जनपद के 10 प्रधानों का प्रस्तुतीकरण एवं साक्षात्कार करवाया गया।प्रधान हन्डौर नीतेश सिंह बीरू ने अपनी कौशल क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अधिकारियों का दिल जीत लिया।लिहाजा किस ग्राम पंचायत को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु चुना गया।कार्यक्रम में जनपद की जामताली,अगई,लरू, सराय नाहर राय,रहाटीकर,रेहुआ लालगंज,बिसहिया,बरई,बेंधन गोपालपुर के भी प्रधानों ने प्रतिभाग करते हुए अपना प्रस्तुतीकरण मुख्य सचिव के समक्ष रखा।इस कार्यक्रम मैं जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी,अपर जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेमचंद्र यादव, जिला समन्वय अधिकारी अतुल मिश्र ने भी भाग लिया। बता दें कि इस कार्यक्रम द्वारा गाँवों में भी प्रथम चरण में गाँवों में भी डोर टू डोर कूड़ा उठान की व्यवस्था होगी। गाँवों में उत्सर्जित होने वाले अपशिष्ट पदार्थों का समुचित प्रबंधन

किया जाएगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी से उत्पनन होने वाले संक्रामक रोगों की रोकथाम की जा सके।सूखे कचरे के निस्तारण हेतु ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक,पॉलिथीन, धातुओं, कागज,कपड़े थर्माकोल को कंटेनर के माध्यम से एक जगह पर एकत्र किया जाएगा।सफाई कर्मचारी गाँवों में डोर-टू-डोर कूड़ा एकत्र करेंगे।इसे एक निश्चित स्थान पर रखे कंटेनर में डालेंगे।यहाँ सह सूख कचरा स्क्रैप कारोबारी को बेचा जाएगा।इससे बदले में जो पैसा मिलेगा,उसे ग्राम पंचायत में होने वाले विकास कार्यों में लगाया जाएगा।गंदे पानी के निस्तारण हेतु ग्राम पंचायतों में घरों,स्कूलों, आँगनबाड़ी केंद्रों से निकलने वाले अपशिष्ट जल के लिए नालियों, सोखता गड्ढे, वेस्ट वाटर स्टैब्लाइजेशन पान्ड का निर्माण किया जाएगा।इसके निर्माण के लिए क्षेत्र के तालाबों को शामिल किया जाएगा।इसके अतिरिक्त उचित स्थान पर नए पांड भी निर्मित कराए जाएंगे।इसके माध्यम से उपचारित जल का प्रयोग पीने के अलावा सिंचाई और धुलाई आदि कार्यों में किया जाएगा।15 दिन इस अभियान को चलाकर ग्रामीणों में उत्सर्जित होने वाले अपशिष्टों के निस्तारण के लिए सफाई कर्मचारी विशेष अभियान चलाएंगे।नालियों,मुख्य मार्गों और स्थलों पर निरंतर सफाई कराई जाएगी। ग्राम पंचायत सचिव और सहायक विकास अधिकारी पंचायत की देखरेख में यह अभियान चलेगा।ग्राम पंचायतों के लिए अलग-अलग बजट अभियान में नाली निर्माण,वेस्ट स्टैब्लाइजेशन पांड,सोख्ता गड्ढों के निर्माण के लिए मनरेगा,राज्य वित्त व 14वें वित्त की धनराशि उपयोग किया जाएगा।स्वच्छ भारत मिशन के तहत उपलब्ध एसएलडब्लूएम मद की धनराशि से150 परिवारों वाली ग्राम पंचायतों में सात लाख,300 परिवार वाली ग्राम पंचायतों में 12 लाख,500 परिवार तक की ग्राम पंचायतों में 15 लाख और 500 परिवार वाली ग्राम पंचायतों के लिए 20 लाख का बजट तय किया गया है। इस कार्यक्रम से न केवल ग्रामीणों को खुले में शौच से मुक्ति मिलेगी बल्कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी सहायता मिलेगी इस ग्राम पंचायत में यह कार्यक्रम लागू होने से निश्चय ही इस ग्राम पंचायत का और भी अधिक विकास होगा ग्रामीणों ने प्रधान नीतेश सिंह के इस कार्य की सराहना करते हुए आशा जताई है कि ऐसे ही वह भविष्य में इस ग्राम पंचायत के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगे जिससे आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में यह गाँव लोगों के लिए सुखकारी बन सके।

पत्थरबाजी मामले में पुलिस का एक्शन लगातार जारी है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बीते शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा और पत्थरबाजी मामले में पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। बुधवार को प्रयागराज हिंसा के 59 उपद्रवियों की सीसीटीवी फुटेज व वीडियो कैमरा से पहचान हुई। प्रयागराज एसएसपी ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनकी फोटो सोशल मीडिया के मदद से सार्वजनिक कर दिया है। पुलिस ने यह भी अपील की है कि आरोपी आत्मसमर्पण कर दे नहीं तो उनके खिलाफ कोर्ट से अनुमति लेकर कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, इस मामले में पुलिस ने अब तक 95 लोगों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि जिन व्यक्तियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकेगी, उनके खिलाफ वारंट जारी करने की कार्रवाई की जाएगी और उनको 107, 116 और अन्य धाराओं के तहत पाबंद कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों के मकानों की कुर्की भी कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी शुक्रवार को फिर से ऐसी घटना ना हो, इसके लिये पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जा रहा है और प्रमुख धर्म गुरुओं से लगातार संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी बेकसूर को जेल ना जाना पड़े, इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है जिसके सही गलत का आकलन करने के बाद ही गिरफ्तारी की जा रही है। आपको बता दें कि पिछले जुमे को अटाला में उपद्रव के लिए पत्थरबाज़ी की बड़े स्तर पर तैयारी हुई थी। इसकी तस्दीक नगर निगम के अभियान के दौरान हुई है। उपद्रव के दिन से मंगलवार तक चलाए गए अभियान में नगर निगम ने इस इलाके 31 ट्रक ईट, पत्थर और बोल्डर अटाला में हटाया है। इसमें मंगलवार को छह ट्रक छह ट्रक ईंट-पत्थर मिला। इससे पहले 25 ट्रक ईट-पत्थर और बोल्डर हटाया जा चुका है। मंगलवार शाम नगर निगम की टीम अटाला क्षेत्र पहुंची। टीम ने जब गलियों से ईट पत्थर और बोल्डर बीना तो यह छह ट्रक निकलाष निगम के अधिकारियों का कहना है कि अब तक 31 ट्रक मलबा हटाया जा चुका है। यह सब पहले से यहां था या साजिशन लाया गया, यह कहना मुश्किल है। 37 अन्य आरोपियों के पते तलाश रहा है प्राधिकरण प्रयागराज विकास प्राधिकरण के जोनल अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि प्राधिकरण को दो-तीन दिन पहले उन 37 लोगों के नामों की सूची मिली है जो पथराव की घटना में शामिल थे। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के लोग इन 37 आरोपियों के पते ठिकानों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इलाके में ज्यादातर लोग पथराव की घटना के बाद मकान पर ताला लगाकर कहीं चले गए हैं, जिससे इन आरोपियों के मकान आदि के बारे में पूछताछ करने में मुश्किल आ रही है।

सीतापुर जिला बदर अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री आर.पी. सिंह द्वारा जनपद सीतापुर में अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु एवम् वांछित अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही व गिरफ्तारी हेतु निरंतर प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में थाना मिश्रित पुलिस द्वारा जिला मजिस्ट्रेट महोदय सीतापुर द्वारा जनपद की सीमा से छः माह के लिये निष्कासित किये गये जिला बदर अभियुक्त विमलेश पुत्र ब्रम्हादीन निवासी विजनापुर थाना मिश्रित सीतापुर को ग्राम विजनापुर के पास से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम/पता- विमलेश पुत्र ब्रम्हादीन निवासी विजनापुर थाना मिश्रित सीतापुर अपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 074/20 धारा 457/323/504/506 भादवि थाना मिश्रित जनपद सीतापुर।

अमृत योग सप्ताह के अंतर्गत प्रशिक्षकों ने कराया योगाभ्यास

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आजादी का अमृत महोत्सव 2022 के अंतर्गत आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार अमृत योग सप्ताह 14 जून 2022 से 20 जून 2022 एवं अष्टम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2022 के क्रम में सभी विकास खंडों में योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें योग प्रशिक्षकों एवं आयुष चिकित्सकों द्वारा योग के महत्व के विषय में जानकारी देते हुए कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया।शासन द्वारा जारी योग क्रम के अनुसार ही ग्रीवा, स्कन्ध चालन क्रियाओं से लेकर बैठ कर, खड़े होकर, पेट के बल लेटकर, पीठ के बल लेटकर करने वाले भुजंगासन, मकरासन, भद्रासन, वक्रासन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, ध्यान आदि का योगाभ्यास करवाया गया घ् आज जनपद में कुल 3736 लोगों ने योग अभ्यास किया। एवं कल दिनाक 16/06/2022 को जिला कारागार में सभी कैदियों को योग कराया जायेगर्िअमृत योग सप्ताह' का जनपद मुख्यालयों, तहसीलों, ब्लॉकों, ग्राम पंचायतों में योग अभ्यास कराया जा रहा है।इस आयोजन से प्रदेश के 3.5 करोड़ लोगों को योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली देना है लक्ष्य है।

पुलिस की अपील जनहित में जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। तारीख़ 14 जून 22. कोतवाली नैनी में पीस कमेटी की बैठक संपनन हुयी जिसमे एसपी

जमुनापार सौरभ दीक्षित ,एसडीम करछना अमृता सिंह एवं नैनी कोतवाली के सभी कमिन्यों ने क्षेत्र की जनता एवं पीस कमेटी से शांति और सौहार्द की अपील की। (सुधांशु शर्मा एवं श्रीकांत शाह) **गिरफ़्तारी / भड़काऊ पोस्ट से संबंधित** भड़काऊ पोस्ट लिखने, फ़ॉरवर्ड करने से कड़ाई से परहेज़ करेंभड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट करके, भड़काऊ वीडियो बयान जारी करके, साजिश रच कर, माहौल ख़राब या ख़राब करने की कोशिश करने वालों को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा **मौकापरस्तों के मकड़ जाल से बचें** कुछ मुट्ठी भर मौक़ापरस्त लोगों के द्वारा, अमन ओ अमान ख़राब कर अपने स्वार्थ की रोटियाँ सेंकने वाले लोगों के द्वारा सोशल मीडिया (व्हाट्सऐप, फ़ेसबुक, ट्विटर आदि) का सहारा लेकर तमाम तरह की अफ़वाहें फैलाने की कोशिशें मुसलसल जारी हैं, जिस पर पैनी नज़र रखी जा रही है। ऐसे शातिर लोगों पर मुक़दमे भी दर्ज किए जा रहे हैं चाहे वे किसी भी दल, बल या संगठन से ताल्लुक़ रखते हों। सावधान! आप की निगरानी की जा रही है हर छोटी-बड़ी सोशल मीडिया पोस्ट को 72 लोगों की तेज़ तर्रार टीम द्वारा ऑन रिकॉर्ड लिया जा रहा है ताकि समय आने पर उसे सबूत की तरह इस्तेमाल किया जा सके। किसी भी प्रकार के अफ़वाहों पर दौड़े नहीं, तत्काल सूचना देंजिले के बासिन्दों से पुरज़ोर अपील की जाती है कि बराए मेहरबानी किसी भी अफ़वाह पर ध्यान ना दें;किसी भी दोषी को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा आपको बाख़बर करना है कि आप में से किसी को भी क़ानून अपने हाथ में लेने की क़तई ज़रूरत नहीं है, इसमें आपका ही नुक़सान होगा। यक़ीन रखिए आपकी इत्तिला पर फ़ौरन पुलिस प्रशासन चुस्ती और मुस्तैदी से अपना काम करेगी। हम वायदा करते हैं कि पुलिस की हर कार्यवाही बिना किसी भेदभाव के अमल में लाई जाएगी। किसी भी दोषी को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा।बिना कोई भेदभाव किए, आपकी अपनी पुलिस आपकी सेवा, आपकी सुरक्षा और समूचे ज़िले में अमन ओ अमान क़ायम रखने के वास्ते मुकम्मल मुस्तैदी के साथ कमर कस कर हमेशा तैयार है साथ ही, यह भी अवगत कराना है कि1.. किसी भी बेक़सूर पर क़तई कोई भी कार्यवाही नहीं की जाएगी 2.. परन्तु, किसी भी दोषी / साज़िश करने वाले को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा 3.. वीडियो फुटेज एवं सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध दिखने वाले हर शख़्स से पूछताछ की जाएगी। परन्तु गिरफ़्तारी उसी की होगी जिसका दोष पाया जाएगा, और जिसने पथराव और आगज़नी में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। बैठक के बाद सभी ने प्रशाशन का सहयोग करने का वादा किया

महिला आयोग की मा0 सदस्या श्रीमती अनीता सचान ने महिला जनसुनवाई में सुनी पीड़ित महिलाओं की समस्यायें

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मा. सदस्या, उ.प्र. राज्य महिला आयोग श्रीमती अनीता सचान के द्वारा बुधवार को सर्किट हाऊस में महिलाओं से सम्बंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता शिविर एवं महिला जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, योजनाओं का लाभ न मिलने, अवैध कब्जे से सम्बंधित शिकायतों सहित

अन्य कई शिकायतें सुनवाई के लिए आयी। उन्होंने कहा कि महिला आयोग का गठन पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए ही हुआ है। यदि किसी महिला को न्याय मिलने में कोई परेशानी आ रही है तो वे अपनी समस्या को लेकर महिला जनसुनवाई में जरूर आये। जनसुनवाई में पीड़ित महिलाओं की पूरी सहायता की जायेगी। महिला जनसुनवाई में कुल 24 प्रकरण सुनवाई के लिए आये, जिनमें से 2 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जनसुनवाई में प्रियंका श्रीवास्तव पुत्री विजय कु

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्र:– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

मंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्माण की प्रगति बढाने को दिए निर्देश, पुरुष व महिला अस्पताल का भी किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। उच्च शिक्षा एवं आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय बुधवार को चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित पूरी जानकारी ली और निर्माण में विलंब होने पर एक्सईएन विजय सिंह और कार्यदायी संस्था से सवाल किया। इस दौरान जिले का प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। निरीक्षण के दौरान मंत्री उपाध्याय ने कहा कि निर्माण कार्य के लिए शासन से धन मिलने के बाद प्रगति तेज हो जानी चाहिए। कार्यदाई संस्था के अधिकारी को चेतावनी दी कि कार्य में तत्काल तेजी लाएं और प्रगति की रिपोर्ट दें। इसके बाद उन्होंने सुरहा ताल का निरीक्षण किया और वहां पर्यटन के क्षेत्र में विकास की तमाम संभावनाओं पर चर्चा की। देवकली प्राथमिक विद्यालय में जनता से किया संवाद माननीय मंत्री उपाध्याय ने देवकली के अंग्रेजी माध्यम के प्राथमिक विद्यालय में जाकर वहां पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की। साथ ही नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन भी किया। इसके उपरांत उन्होंने प्राथमिक विद्यालय में जनता से संवाद स्थापित किया और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि सरकार की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। महिला व पुरुष अस्पताल का किया निरीक्षण मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने जिला महिला व पुरुष चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। महिला चिकित्सालय की व्यवस्था पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया, लेकिन पुरुष चिकित्सालय में और सुधार की संभावना जाहिर की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सफाई और मरीजों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं पर सरकार का पूरा फोकस है। स्वास्थ्य महकमे से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उसका अनुपालन सुनिश्चित कराएं। दौरान उनके साथ जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर, मुख्य विकास अधिकारी प्रवीण वर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू आदि थे।

आजमगढ़ के सरायमीर में ड्रोन कैमरे से ली गई तस्वीरों में 25 छतों पर रखे मिले ईंट-पत्थर, हरकत में आया प्रशासन

आजमगढ़ : नगर पंचायत सरायमीर के 25 मकानों की छतों पर गुरुवार की सुबह ईंट-पत्थर की तस्वीर ड्रोन कैमरे में कैद हुई तो प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। केंद्रीय सुरक्षा बल के साथ पहुंचे एसडीएम निजामाबाद रवि कुमार, ईओ रंग बहादुर सिंह एवं थानाध्यक्ष विवेक कुमार पांडेय ने सभी गृह स्वामियों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। चेतावनी दी कि दोबारा ड्रोन कैमरे की तस्वीर में छतों पर ईंट-पत्थर नजर आए तो संबंधी गृह स्वामी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को जुमे की नमाज को दृष्टिगत सुबह करीब सात से 10 बजे तक प्रशासन व पुलिस के अधिकारी सरायमीर नगर के 13 वार्डों में ड्रोन कैमरे के जरिए उड़ाकर स्थिति का जायजा ले रहे थे। इस दौरान ड्रोन कैमरे की तस्वीर में 25 घरों की छतों पर ईंट-पत्थर के टुकड़े दिखाई दिए। इसके बाद तो प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। लोकेशन के आधार पर एसडीएम निजामाबाद, ईओ, थानाध्यक्ष ने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। उनके निर्देश पर एसडीएम पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ उन घरों तक जा धमके। गृह स्वामियों से छतों पर ईंट-पत्थर रखने के कारणों के बारे में जानकारी ली तथा अविलंब छतों से ईंट-पत्थर हटाने के निर्देश दिए। जिसके बाद अपने-अपने छतों से लोगों ने ईंट-पत्थर हटाने का काम शुरू कर दिया। गृह स्वामियों

का कहना था कि निर्माण के समय बचे ईंटों को सुरक्षित छतों पर रखा गया था। बाहर रखने पर गलियों में अतिक्रमण हो जाता था। थानाध्यक्ष विवेक कुमार पांडेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि छतों पर ईंट-पत्थर नहीं रहना चाहिए। दोबारा ड्रोन कैमरा चलने पर जिसके घर की छतों पर ईंट-पत्थर पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। देश के विभिनन्‍ हिस्सों में सांप्रदायिक ताकतों की तरफ से की गई पत्थरबाजी व हिंसा के विरोध में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन एडीएम प्रशासन अनिल कुमार मिश्र को सौंप कट्टरपंथी विचारधारा पर अंकुश लगाने की मांग उठाई। मांगों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी थी। बजरंगदल के विभाग संयोजक कुंवर गजेंद्र सिंह ने कहा कि देश में सांप्रदायिक ताकतें आए दिन किसी न किसी बहाने हिंदुओं पर योजनापूर्वक हमले कर रही हैं।

गर्मी की छुट्टी खत्म होने के बाद खुला परिषदीय विद्यालय, पहले दिन करीब 50 फीसद रही बच्चों की संख्या

वाराणसी । ग्रीष्मावकाश समाप्त होने के बाद गुरुवार को परिषदीय विद्यालय गुलजार रहे। बच्चों के लिए स्कूल का समय सुबह 7.30 से दिन में 10.30 तक रहा, जबकि शिक्षक 1.30 बजे तक रुके रहे। पहले दिन सुहाने मौसम के बीच करीब 50 फीसद रही बच्चों की संख्या तो शिक्षकों की उपस्थिति भी अपेक्षाकृत कम रही। कई स्कूलों में दोपहर का खाना नहीं बना। उधर, गठित टीम स्कूलों का जायजा लेती रही। गर्मी की छुट्टी के बाद आधी-अधूरी तैयारियों के बीच स्कूल खुले। यूं तो तमाम स्कूलों पर पहले से ही साफ-सफाई की जा चुकी थी, लेकिन कुछ पर खुलने के बाद साफ-सफाई हुई। सोनभद्र जिले में परिषदीय विद्यालय गुरुवार से ग्रीष्मावकाश के बाद खुले गए। पहले दिन छात्र-छात्राओं का स्वागत अध्यापकों ने टीका लगाकर किया। बच्चों के आने से विद्यालय में रौनक बढ़ गई है। हालांकि पहले दिन बच्चों की संख्या काफी कम रही। पठन-पाठन फिलहाल पूरी तरह से शुरू नहीं हो सका है। क्योंकि अभी विद्यालयों में नई पुस्तकें नहीं आई हैं। अगस्त में पुस्तकें आने की उम्मीद है। फिलहाल पुरानी किताब से ही काम चलाया जाएगा। विद्यालयों के खुलने से एक बार फिर रौनक आ गई है। बच्चों की चहलकदमी से विद्यालय गुलजार हो गए हैं। गुरुवार को सुबह 7:30 बजे से 1:30 बजे तक विद्यालय खुले। हालांकि बच्चों की पढ़ाई

दोपहर 12 बजे तक ही हुई। जिले में 2061 परिषदीय विद्यालयों में करीब ढाई लाख बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। नया सत्र शुरू होने के बावजूद अब तक नई पुस्तकें बच्चों को नहीं मिल पाई हैं। इस कारण बच्चे पुरानी पुस्तकों से ही काम चला रहे हैं। जिन बच्चों के पास पुस्तक नहीं है, उन्हें शिक्षक बोर्ड पर लिखकर पढ़ाई करा रहे हैं ताकि बच्चे इधर-उधर न घूमें और उनकी विद्यालय में उनकी उपस्थिति नियमित बनी रहे। शासन स्तर पर नई पुस्तकों के भेजने की प्रक्रिया अब तक पूर्ण न होने का खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ेगा।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने वाराणसी में ईएसआइसी अस्पताल में कराया उपचार

वाराणसी । केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी गुरुवार को वाराणसी पहुंचे। उन्होंने पांडेयपुर के ईएसआइसी अस्पताल में अपना उपचार भी कराया। बताया जा रहा है उनकी ऐड़ी में परेशानी थी। इसके बाद चिकित्सकों की सलाह पर सीटी स्कैन कराया गया। मंत्री इसके बाद सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी आज उद्यमियों व व्यापारियों से संवाद करेंगे। वहीं यहां के व्यापरियों ने मंत्री के समक्ष समस्याएं व सुझाव का पत्रक तैयार किया है। ताकि वे मंत्री के सामने इन मुद्दों को उठा सके। महानगर उद्योग व्यापार समिति समिति के संरक्षक श्रीनारायण खेमका, अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल, उपाध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा, मनीष चौबे, अजय गुप्ता आदि ने 11 सूत्रीय मांगें तैयार की है। इनका कहना है कि सरकार अगर

उनकी इन समस्याओं का समाधान कर दे तो व्यापार और आसान हो जाएगा। 1- वर्तमान में जीएसटी सिस्टम की सबसे बड़ी खामी यह है कि यह पूर्व में भरी हुई किसी भी विवरणी जैसे की जीएसटीआर01 व जीएसटीआर 3 बी में हुई किसी भी त्रुटि को ठीक करने की इजाजत नहीं देता। किसी भी मानवीय गलती को सुधारने का जीएसटी में कोई प्रावधान नहीं है । जीएसटी काउंसिल तो प्रतिदिन के औसत के आधार पर अपनी गलितयों को सुधारता रहा है परन्तु व्यापारियों को अपनी गलती सुधारने को कोई मौका नहीं दे रहा है। वह भी प्रथम वर्ष में हुई त्रुटियों को जब पूरा का पूरा जीएसटी परिचालन परीक्षण (टेस्ट मोड) अवस्था में था । किसी किसी केस में व्यापारियों को एक कर-देयता का भुगतान दो-दो बार करना पड़ा वह भी ब्याज एवं दंड सहित । इन सब व्यावहारिक कठिनाइयों के चलते व्यापारी मानसिक तनाव के अवस्था में है और व्यापार से पलायन कर रहा है, शायद वर्तमान आर्थिक मंदी का एक कारण कठिन जीएसटी अनुपालन भी हो ।

काशी विश्वनाथ धाम : भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है काशी, अब नए अंदाज में देखें मंदिर

वाराणसी। गंगा किनारे बसे काशी को भगवान शिव की नगरी और भोलेनाथ को काशी का महाराजा कहा जाता है। यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध

है। इस मंदिर में भगवान शिव के गंगा नदी के किनारे बसा है। गंगा के किनारे कुल 84 घाट हैं। बनारस अपनी धार्मिक महत्व के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। हर साल दुनियाभर से पर्यटक बनारस घूमने आते हैं। लोग गंगा आरती में शामिल होकर ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर में जाकर बाबा के दरेशन करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि दैविक काल में महादेव काशी में ही रहते थे। महारानी आहिल्याबाई होल्कर की आंखों के स्वपन्‍ को एक कमन्‍योगी के वचन का आश्रय मिल गया है। काशी विश्वनाथ धाम के बहाने काशी में इतिहास की एक ऐसी स्वर्ण मंजूषा निर्मित हुई है जो सहसन्‍ब्दियों तक अपनी ऊर्जा से धर्म-संस्कृति के इस धाम को रोशन करती रहेगी।

बिहार में रेलवे ट्रैक जाम होने से ट्रेनों का परिचालन बाधित, डाउन में पीडीडीयू से दिलदारनगर तक ट्रेनें खड़ी

गाजीपुर। बिहार के बक्सर स्टेशन पर भीम आर्मी सेना द्वारा अप व डाउन रेलवे पटरी जाम करने को लेकर सुबह 9 बजे से अप और डाउन लाइन में ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया। डाउन लाइन में डीडीयू से दिलदारनगर व अप लाइन बजे खड़ी 03204 डीडीयू - पटना मेमो पैसेंजर 2.09 बजे प्लेटफार्म संख्या एक पहुंची और 2.11 बजे खुलकर आगे की ओर रवाना हुई।वही जमानियां स्टेशन पर सुबह 10.51 बजे खड़ी मगध एक्सप्रेस दोपहर दो बजे खुली। पटना, मुजफ्फरपुर, कैमूर सहित कई शहरों में पिछले दो दिनों में विरोध तेज हुआ है। बिहार के बक्सर में रेलवे पटरी जाम होने से अप लाइन में 03298 पटना - वाराणसी मेमो पैसेंजर ट्रेन भी बक्सर से पहली खड़ी हो

की सभी ट्रेन बक्सर से पहले खड़ी हो गयी। दिलदारनगर स्टेशन के डाउन लाइन में 15645 गुवाहाटी लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस सुबह 9: 09 से तथा जमानियां में 10:51 से मगध एक्सप्रेस खड़ी। बिहार में बक्सर से लेकर आरा तक अगिन्पथ के विरोध में छात्रों द्वारा सुबह 8.25 बजे से रेलवे ट्रैक जाम करने को लेकर अप और डाउन लाइन का बाधित रेल परिचालन दो बजे व अप लाइन में 1.20 बजे बहाल होने से रेल यात्रियों ने राहत की सांस ली। दिलदारनगर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर खड़ी 15645 गुवहाटी लोकमान्य एक्सप्रेस चार घंटा बाद दोपहर दो बजे खुली।ट्रेन सुबह 10.09 बजे दिलदारनागर पहुंची थी।वही दरौली स्टेशन के डाउन लूप लाइन में सुबह 10.20 आर्मी, नेवी और वायुसेना में भर्ती के लिए सरकार की नई योजना 'अगिन्पथ' के विरोध में बिहार में शुरू हुआ युवाओं का विरोध दूसरे दिन यानी गुरुवार को उग्र रूप अख्?ति?यार कर लिया है। नवादा जिले के भाजपा कार्यालय में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की और गेट के ठीक सामने आग लगा दी। दिल्?ली- हावड़ा मुख्?य रेल लाइन के बक्?सर और आरा स्?टेशनों पर जमकर तोड़फोड़ हुई है और रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। विरोध की यह कड़ी भागलपुर से बक्?सर तक देखने को मिल रही है। कई जगह ट्रेनों की बोगियों में आग लगा दी गई है, तो आरा में ट्रेन पर पथराव से कई यात्री जख्?मी हो गए हैं। सिवान, छपरा, जहानाबाद, अरवल, नवादा, गयी।इससे बारा, गहमर,भदौरा,दिलदारनगर, दरौली,जमानिया, धीना,सलकडीहा,कुछमन व डीडीयू जाने वाले रेल लोकल यात्रियों को भारी परेशानी हुई।गर्मी में यात्री प्लेटफार्म पर ट्रेन के इंतजार में बैठे रहे। दिलदारनगर स्टेशन के डाउन लाइन के प्लेटफार्म संख्या दो पर 15646 गुवाहाटी लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के सुबह 9:09 बजे व जमानियां डाउन लाइन में मगध एक्सप्रेस के खड़ी रही।ट्रेन में सवार रेल यात्री गर्मी व उमस से परेशान होकर प्लेटफार्म पर बैठ गए।प्लेटफॉर्म पर लगे दुकान पर बिस्कीट,चिप्स के अलावा पानी की खूब बिक्री हुई। बिहार के बक्सर में भीम आर्मी सेना द्वारा बवाल कर रेलवे पटरी जाम होने को लेकर आरपीएफ व जीआरपी एलर्ट रही।

वाराणसी में उद्यमियों और व्यापारियों ने समस्या गिनाई, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी बोले एक माह में दूर होंगी दिक्कतें

वाराणसी । केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी गुरुवार को सर्किट हाउस में उद्यमियों एवं व्यापारियों से संवाद किए। इस दौरान उन्होंने उद्यमियों और व्यापारियों की समस्याएं सुनी यहां के उद्यमियों और व्यापारियों ने तमाम समस्याएं रखी। इस पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि एक माह के अंदर सारी समस्याओं का नीतिगत निस्तारण किया जाएगा। साथ ही वाराणसी में पुनर्गठन एवं केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग के नए कार्यालय खोलने की भी बात की। उद्यमियों और व्यापारियों से वार्ता के बाद मंत्री ने यहां के टैक्स बार एसोसिएशन और सीए एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक की। महानगर उद्योग व्यापार समिति समिति के संरक्षक श्रीनारायण खेमका, अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल, उपाध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा आदि ने 11 सूत्रीय मांगें तैयार रखी। इनका कहना था कि सरकार अगर उनकी इन समस्याओं का समाधान कर दे तो व्यापार और आसान हो जाएगा। 1- वर्तमान में जीएसटी सिस्टम की सबसे बड़ी खामी यह है कि यह पूर्व में भरी हुई किसी भी विवरणी जैसे की जीएसटीआर01 व जीएसटीआर 3 बी में हुई किसी भी त्रुटि को ठीक करने की इजाजत नहीं देता। किसी भी मानवीय गलती को सुधारने का जीएसटी में कोई प्रावधान नहीं है । जीएसटी काउंसिल तो प्रतिदिन के औसत के आधार पर अपनी गलितयों को सुधारता रहा है परन्तु व्यापारियों को अपनी गलती सुधारने को कोई मौका नहीं दे रहा है। वह भी प्रथम वर्ष में हुई त्रुटियों को जब पूरा का पूरा जीएसटी परिचालन परीक्षण (टेस्ट मोड) अवस्था में था । किसी किसी केस में व्यापारियों को एक कर-देयता का भुगतान दो-दो बार करना पड़ा वह भी ब्याज एवं दंड सहित । इन सब व्यावहारिक कठिनाइयों के चलते व्यापारी मानसिक तनाव के अवस्था में है और व्यापार से पलायन कर रहा है, शायद वर्तमान आर्थिक मंदी का एक कारण कठिन जीएसटी अनुपालन भी हो । 2- जीएसटीआर 01 के तहत त्रुटि को ठीक करने

का प्रावधान होना चाहिए। ताकि व्यापारी कुछ छूट गए इन्वाइस को पुनः अपलोड कर सके । जीएसटीआर 01 में संशोधन करने के बाद सप्लीमेंटरी जीएसटीआर 3 बी को उत्पन्‍न (जेरनेट) करने का प्रावधान होना चाहिए ताकि जिन बिलों का जीएसटी जमा नहीं हो पाया, उस जीएसटी को सरकार को जमा कराया जा सके और इस पर कोई अर्थ दंड नहीं होना चाहिए, सरकार यदि चाहिए तो देरी पर न्यूनतम ब्याज वसूल कर सकती है । 3-इनपुट टैक्स क्रेडिट के संबंध में व्यापारियों के समक्ष आ रही चुनौतियों के विषय में संज्ञान में लेना चाहिए कि यदि किसी क्रेता व्यापारी के पास जीएसटी पेड का बिल है व उक्त बिल का भुगतान किया जा चुका है, उस पर इनपुट क्रेडिट मिलना चाहिए। यदि विक्रेता द्वारा सरकार को जीएसटी का भुगतान नहीं किया गया तो उस स्थित में विक्रेता को दण्डित करना चाहिए। इस संबध में कुछ उच्च न्यायालयों द्वारा भी महत्ववूर्ण निर्णय दिए गए हैं, जिनके आधार पर यह प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। 4: आइजीएसटी से सीजीएसटी / एसजीएसटी के इनपुट क्रेडिट लेने में बहुत बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बहुत से व्यापारियों का इनपुट क्रेडिट न मिलने के कारण वर्किंग कैपिटल समाप्त हो गया है । अतः सरल कर अनुपालन एवं व्यापार में धन की तरलता बनाये रखने हेतु आइजीएसटी से सीजीएसटी / एसजीएसटी के स्थान पर करदाता सिर्फ जीएसटी का पेमेंट करे व उपलब्ध सूचना के आधार पर जीएसटी काउंसिल कुल प्राप्त धनराशि को केंद्र व राज्य के मध्य बंटवारा कर ले । जीएसटी में समय पर आइटीसी रिफंड एडजेस्ट ना हो पाने के कारण व्यापारियों की काफी पूंजी अनावश्यक रूप से फंसी रहती है । इसमे बहुत ज्यादा उलझाने वाले प्रावधान हैं। इसे सरल बनाकर अधिकतम 30 दिनों में आइटीसी रिफंड करने का प्रावधान करना बहुत जरूरी है। 5- जीएसटीएन पोर्टल की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। जितना संभव हो सके जीएसटी अनुपालन को सरल किया जाए। ताकि व्यापारी इससे डर कर न भागे बल्कि इसे अपनाए । प्रत्येक गलती पर ब्याज व आर्थिक दंड की मात्रा बहुत ज्यादा है। कठिन अनुपालन करने के दौरान कभी कभी अज्ञानतावश कुछ त्रुटि संभव है । कम कर जमा करने पर अर्थ दंड के स्थान पर सिर्फ ब्याज का प्रावधान होना चाहिए। यदि कर चोरी जानबूझ कर की गई है तो अर्थ दंड उचित है। 6- जीएसटी में एचएसएन कोड बहुत बड़ी समस्या है और अच्छे पढ़े-लिखे व्यापारी भी इसे समझने में असमर्थ हैं। इसके कारण व्यापार करने में बहुत सारी परेशानियां खड़ी हो गई है। सरकार को एक प्रोडक्ट का केवल एक ही एचएसएन कोड हो ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। 7- छोटे व मध्यम वर्ग के व्यपरियों के गोदामों में कंप्यूटर व दक्ष कंप्यूटर आपरेटर होना संभव नहीं है जिससे वे गोदामों से माल अपने दुकानों पर मंगवाते समय ई-वे बिल नहीं जेनरेट कर सकते। ऐसे में केवल चालान पर 200000 रुपये तक के माल का आवागमन की अनुमति देनी चाहिए।9- ई-वे बिल बिल की समय सीमा के उल्लंघन का अनुपालन व्यापारी पर न थोपा जाए। बल्कि इसके लिए ट्रांसपोर्टर की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए गाड़ी वगैरह ख़राब होने की दशा में आसानी से ई-वे बिल की समय सीमा बढ़ाई जाने का प्रावधान होना चाहिए। 10- आनलाइन व्यापार के नाम पर बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां भारत के लोकल रिटेल व्यापार को नष्ट करके उस पर पूरा कब्जा करना चाहती हैं। अरबों की पूंजी वाली ये कंपनियां भारी नुकसान उठाकर भी सस्ते दाम का प्रलोभन देकर भारत के छोटे व्यापारियों को बाजार से मिटा देने पर तुली हैं। इस आनलाइन मार्केटिंग के कारण छोटे-छोटे व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा न कर पाने के कारण रोजगार में घाटा हो रहा है। सरकार का पूरा जोर लोकल फार वोकल पर है। ऐसे में दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे कपड़ा, गल्ला, खाद्यान्‍न, जूता, कास्मेटिक जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं आदि के पूरे व्यापार को केवल अपने देश के उद्यमियों को बनाने व बेचने की अनुमति देनी चाहिए। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विलासिता और नवीन टेकनेलाजी व विशेष श्रेणी के सामानों आदि को बेचने की अनुमति दी जाए, जिससे गरीब व्यक्ति भी स्वरोजगार के माध्यम से छोटा रोजगार अपना कर अपने परिवार को पाल सके। 11- सरकार द्वारा बड़े कारपोरेट घरानों को 6 से 7 प्रतिशत तक पर बैंक लोन दिया जाता है उसी तर्ज पर छोटे व मध्यम वर्ग के व्यापारियों को भी उसी रेट पर लोन मिलना चाहिये, जिससे वह कड़े प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके। राष्ट्र का सात करोड़ परम्परागत खुदरा व्यापारी आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करता है कि जीएसटी की विसंगतियों में संशोधन व विदेशी स्वामित्व वाले इ कामर्स कारोबार में अंकुश लगाई जाए और राष्ट्र के अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता एवं युवाओं के रोज़गार सुनिश्चित करने हेतु स्थानीय छोटे एवं मध्यम वर्ग के व्यापारियों को प्राथमिकता एवं आवश्यक सुविधा प्रदान की जाए।

आजमगढ़ के अहरौला में अपहृत दंपती की हत्या कर झाड़ी में फेंका शव, बाइक में कास्मेटिक का बंधा था सामान

आजमगढ़ । पारा गांव के रहने वाले दंपती के अपहरण को लेकर स्वजन को जिस बात की आशंका सता रही थी वह सही साबित हुई। दोनों की हत्या के बाद शव को जनता इंटर कालेज अंबारी के सामने झाड़ी में फेंक दिया गया था। पास में बाइक भी पड़ी थी, जिस पर कास्मेटिक का सामान बंधा था। झाड़ी में शव होने के कारण आसपास के लोगों की नजर गुरुवार को दिन के साढ़े ग्यारह बजे पड़ी। दोनों के मुख से झाग और खून निकल रहा था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों की गला दबाकर हत्या के बाद सुनियोजित तरीके से शव को यहां फेंक दिया गया होगा। दंपती का शव मिलने की जानकारी पर पहुंचे पारा गांव के लोगों ने उसकी शिनाख्त इंद्रपाल मौर्या व शकुंतला के रूप में की। फुलवरिया बाजार के सजनी मोड़ पर कास्मेटिक की दुकान करने वाले इंद्रपाल मौर्या अपनी पतनी शकुंतला के साथ मंगलवार को बाइक से आंख की दवा लेने के लिए शाहगंज गए थे। साथ में पवई के रहने वाले रिश्तेदार अपनी बाइक से दवा के लिए गए।वहां उन्होंने रिश्तेदार को बताया कि दुकान के लिए सामान की खरीदारी करके जाएंगे, तो रिश्तेदार अपने घर चले गए। इधर इंद्रपाल ने घर पर फोन कर बताया कि दिन के तीन बजे तक पहुंचेंगे।उन्होंने कुछ सामान आटो से दुकान पर भेजवा दिया था। उसके बाद पांच बजे तक नहीं पहुंचे तो भतीजे प्रदीप कुमार मौर्या ने फोन पर संपर्क किया। उधर से केवल इतना बताया गया कि बहुत मुसीबत में हूं और उसके बाद फोन कट गया। उसके बाद कई बार प्रयास करने के बाद भी संपर्क नहीं हुआ, तो अपने स्तर से इधर-उधर पता किया। पता न चलने पर थाने को सूचना दी, लेकिन पुलिस ने पहले दिन संज्ञान नहीं लिया, तो बुधवार की सुबह प्रदीप ने पुलिस अधीक्षक से संपर्क साधा।उसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश और भतीजे की तहरीर पर एक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।गुरुवार को प्रधान बृजेश मौर्य के नेतृत्व में ग्रामीण थाने पहुंचकर पुलिस से अब तक की कार्रवाई की जानकारी मांग रहे थे कि उसी बीच अंबारी में शव मिलने की जानकारी आई, तो ग्रामीण अंबारी के लिए रवाना हो गए।

टोल प्लाजा के पास सरकारी बस कंडक्टर से लुट के मामले का हुआ खुलासा

दो अभियुक्तों कि हुई गिरफ्तारी एवं 20हजार रुपए बरामद किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। कुछ दिन पहले मारकुण्डी घाटी के पहले टोल प्लाजा के करीब 500 मीटर आगे बस से उतरे थे कि उसी समय कुछ अज्ञात व्यक्ति पीछे से आकर मेरे जेब में रखे भाड़े का 79,300 रुपये तथा मेरे पर्स में आधार कार्ड, एटीएम, पैनकार्ड, लाइसेंस, वोटर आइडी

व 1400 रूपये थे को लूट लिया गया । उक्त सूचना पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 407/2022 धारा 395/412 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त घटना मे संलिप्त वांछित अभियुक्तों को प्रकाश में लाने व शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अमरेन्द्र प्रसाद सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा क्षेत्राधिकारी नगर को विशेष निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के क्रम में तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 15.06.2022 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर लोढ़ी खनन बैरियर टोल प्लाजा बोर्ड के पास से लूट की घटना में संलिप्त व्यक्तियों में से दो नफर वांछित अभियुक्तगण 01. विकास यादव पुत्र रमेश यादव निवासी खडि़या, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 24 वर्ष, 02. जद्दू पुत्र रामसुभग निवासी घसिया बस्ती, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 22 वर्ष को पकड़ लिया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों की जामा तलाशी में अभियुक्त विकास यादव उपरोक्त के कब्जे से 15000 रुपये, एक अदद आधार कार्ड, एक अदद एटीएम कार्ड, एक अदद पैन कार्ड, एक अदद मतदाता पहचान पत्र तथा अभियुक्त जद्दू उपरोक्त के कब्जे से 5000 रुपये बरामद किया गया । उक्त लूट की घटना में अभी कुल 08 नफर अभियुक्तगण वांछित है जिनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है ।**गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरणः**- 1. विकास यादव पुत्र रमेश यादव निवासी खडि़या, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 24 वर्ष । 2. जद्दू पुत्र रामसुभग निवासी घसिया बस्ती, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 22 वर्ष । **अभियुक्त विकास यादव का आपराधिक इतिहासः**- 1. मु0अ0सं0-407/2022 धारा 395/412 भादवि थाना रॉबर्ट्सगंज,जनपद सोनभ 2. मु0अ0सं0-230/2020 धारा 379 भादवि थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र 3. मु0अ0सं0-351/2019 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र 4. मु0अ0सं0-681/2018 धारा 8/21 ऊझए एक्ट, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । **बरामदगी का विवरणः**- अभियुक्त विकास यादव उपरोक्त के कब्जे से 15000 रुपये, एक अदद आधार कार्ड, एक अदद एटीएम कार्ड, एक अदद पैन कार्ड, एक अदद मतदाता पहचान पत्र तथा अभियुक्त जद्दू उपरोक्त के कब्जे से 5000 रुपये **गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीमः**- 1. प्र0नि0 दिनेश प्रकाश पाण्डेय थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 2. उ0नि0 विनय कुमार सिंह चौकी प्रभारी सदर अस्पताल, थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 3. हे0का0 छेदी सिंह, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 4. का0 अजय कुमार मौर्य, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । इ5. का0 शिवचन्द पटेल, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र ।

चमकाई जा रहीं ऐतिहासिक इमारतें अब दिखेंगी पुरानी रंग में

जौनपुर। ऐतिहासिक इमारतों के दिन बहुरने वाले हैं, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग अब इनको जिला प्रशासन के सहयोग से मूलरूप में लाने में लग गया हैं। इसमें सबसे पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की ऐतिहासिक इमारतें अटाला मस्जिद व शाही पुल को लिया गया है, जो केमिकल के प्रयोग से चमकाई जा रही हैं। जिससे यह अपनी पुरानी छटा बिखेर सके। अटाला मस्जिद में लगे पत्थरों को चमकाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सारनाथ के क्षेत्रीय कार्यालय से केमिकल मंगाकर इसको चमकाने का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐतिहासिक शाही पुल के पत्थर पर भी इसका उपयोग किया जाएगा। शाही पुल की दीवारों में उगे पौधों को सुखाने के लिए केमिकल मंगाया जा रहा है, जिससे पुल की दीवारों

में उगे पेड़ों की जड़ को सुखाया जा सके। जिससे यह दोनों ही इमारतें अपने मूल स्वरूप में आ सकेंगी। अटाला मस्जिद अभी कुछ दिनों से अटला देवी के मंदिर को लेकर चर्चा में बना हुआ है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक अटाला मस्जिद है। ऐसे में इसके अंदर न तो कोई दुकान किराए पर चलाई जा सकती है न ही विद्यालय। वक्फ कमेटी के सकुशल नमाज संपनन कराने के लिए है। कोई नई प्रक्रिया यहां शुरू नहीं हो सकती है। प्रशासन ने उसके स्वरूप से छेड़छाड़ करने पर दुकानों के बाहर लगे टिन शेड को हटवाया है, साथ ही निर्देश दिया गया कि शटर या दरवाजे के आगे संचालक नहीं बढ़ेंगे। जिससे उसकी खूबसूरती खराब न हो। क्या है संरक्षित क्षेत्र का शासनादेश कोई भी व्यक्ति जिसके तहत संरक्षित क्षेत्र का स्वामी या अधिभोगी भी है, संरक्षित क्षेत्र के भीतर किसी भवन का सनिर्न्माण या ऐसे क्षेत्र में कोई खनन, खदान किया, उत्खनन, विस्फोट या इसी प्रकार की कोई संक्रिया नहीं करेगा और न केंद्रीय सरकार की अनुज्ञा के बिना ऐसे क्षेत्र या उसके किसी भाग का उपभोग किसी अन्य रीति से करेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की तरफ से ऐतिहासिक इमारत अटाला व शाही पुल के पत्थरों को चमकाया जा रहा है। इसमें जिला प्रशासन सहयोग कर रहा है। साथ ही अटाला के अंदर या बाहर कोई नया निर्माण या परंपरा नहीं शुरू होगी, चाहे दुकान हो या विद्यालय। वक्फ कमेटी सिर्फ नमाज को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार हैं।

एकलव्य विद्यालय बनकर तैयार, एक जुलाई से शुभारंभ....

सोनभद्र । कोन के पीपरखाड़ में एकलव्य विद्यालय का निर्माण पूरा हो गया है। साथ ही अन्य औपचारिकताएं भी पूरी कर ली गई हैं। जिले में एक मात्र एकलव्य विद्यालय का शुभारंभ एक जुलाई को होगा। इस स्कूल में कक्षा 6 से 8 तक के बच्चे निश्शुल्क पढ़ाई

करेंगे। नवोदय विद्यालय की तर्ज में यहां आदिवासियों के बच्चे अध्ययन करेंगे। छात्रों को रहने के लिए परिसर में ही आवास, भोजन व किताब-कापी सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। सन 2011-12 में 11.37 करोड़ की लागत से विद्यालय का निर्माण शुरू हुआ था। कार्यदायी संस्था ने सन 2013 में स्टीमेट बढ़ाकर 20.57 करोड़ कर दिया। बजट के झाम में स्कूल का निर्माण बाधित हुआ लेकिन बाद में जिलाधिकारी के हस्तक्षेप में चार आवश्यक कार्य कराए गए, जिसके बाद विद्यालय को संचालित करने का रास्ता साथ हुआ। विद्यायल के लिए अध्यापकों समेत गैर शिक्षण कर्मचारियों के 52 पद स्वीकृत हैं। इनकी नियुक्ति करने में काफी समय लगता। लिहाजा, रिटायर्ड शिक्षकों से आवेदन मांगे गए, लेकिन एक भी आवेदन नहीं आया। अंततः संविदा पर 20 शिक्षक रखे गए है। इन्हें प्रतिदिन चार घंटे पढ़ाना होगा। इसके एवज में 375 रुपये प्रति घंटे की दर से भुगतान किया जाएगा।

योग दिवस के लिए जगह जगह शुरू योगाभ्यास....

गाजीपुर। आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जनपद के सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जगह -जगह योगाभ्यास करवाया गया। मंगलवार को राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कालेज में डाक्टर ने योग किया। अन्य स्थानों पर भी योग सिखाए गए। जिला प्रशासन व आयुष विभाग

से योगा दिवस के गौरवमयी अवसर पर विभिनन समाजसेवी संस्थाओं, योग से जुड़े साधकों व आम जनमानस की भागीदारी कराने की तैयारी है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिले के सभी ब्लाक और तहसील परिसर में साधकों को चयनित प्रशिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में योग प्रोटोकोल के तहत योगाभ्यास करवाया। आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक गांव- गांव शिविर लगाकर बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुगी और युवकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अगले चरण में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षामित्रों को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षित किया जाएगा। ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल खुलते ही नौनिहाल बच्चे एक सप्ताह तक प्रतिदिन सुबह एक घंटे का योगाभ्यास करेंगे। सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवियों और एनएसएस के शिविरार्थी, आशाकर्मी और स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से लोगों को योग, आयुर्वेद व स्वस्थ दिनचर्या के प्रति जागरूक कर योगापचार एवं योगाभ्यास के लोई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी चल रही है। आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी कार्यालयों, दुकान, मकान, थाना, पुलिस चौकी और मैदानों में अधिक से अधिक लोगों को सामूहिक योगकला प्रदर्शित करने की व्यवस्था बनायी जा रही है। आयुष राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा के गृह जनपद होने के कारण आयुष विभाग जनपद में विश्व योग दिवस को बेहतर और वृहद रूप में मनाने की योजना पर कार्य कर रहा है।

नहीं मिल रही पर्याप्त बिजली, जनजीवन बेहाल

चंदौली । निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जिले में लगभग 80 मेगावाट बिजली की जरूरत है। विद्युत वितरण खंड चंदौली को 38, सकलडीहा को 22 तथा वितरण खंड पीडीडीयू नगर को निर्बाध आपूर्ति

के लिए 19 मेगावाट बिजली की जरूरत है लेकिन पिछले कई दिनों से पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण जनपद में अघोषित विद्युत कटौती हो रही है। शहरी क्षेत्र में तो थोड़ी गुंजाइश है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में लोग विद्युत संकट से त्राहिमाम कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के आने-जाने का कोई रोटेशन नहीं है। महज छह से आठ घंटे बिजली रह रही है। ऐसे में उमस भरी गर्मी व मच्छरों के बढ़ते प्रकोप ने लोगों की रातों की नींद व चैन छीन लिया है। इसमें कब तक सुधार होगा, इसके बारे में कोई भी विभागीय पदाधिकारी स्पष्ट रूप से बताने में असमर्थ है। ऐसे में लोगों की रात विभाग को कोस-कोसकर कट रही है।हमारे कमालपुर संवाददाता के अनुसार प्रचंड धूप, गर्मी व उमस से जहां जनमानस बेहाल है। वहीं बिजली की अनियमित कटौती व लो वोल्टेज ग्रामीण से जीवन दुश्वार हो गया है। दिन तो दिन रात में बिजली की कटौती से लोग दरवाजे पर बैठ कर बिजली का इंतजार करते हुए रात काट रहे हैं। कमालपुर व डभरिया उप केंद्र से बिजली कब आएगी, कब जायेगी कोई समय सीमा निश्चित नहीं है। रात्रि में तो कई बार कटौती होती है। इससे पेयजल आपूर्ति व सिंचाई व्यवस्था भी चरमरा गई है। ग्रामीणों ने शासन, प्रशासन से नियमित बिजली आपूर्ति की मांग की है। कमालपुर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष सुदामा जायसवाल का कहना है कि शीघ्र ही बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो बाजार के व्यापारी धरना-प्रदर्शन करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। बिजली कटौती से जनजीवन अस्त-व्यस्त टांडाकला प्रतिनिधि के अनुसार चहनिया, सुरतापुर व मारुफपुर विद्युत उप केंद्र से बिजली कटौती व लो वोल्टेज से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कारण बिजली कब आएगी, कब जाएगी कोई समय सीमा निश्चित नहीं है। कुल मिलाकर महज सात घंटे ही बिजली रह रही है। उधर चहनिया उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष भानू प्रताप यादव व महामंत्री रामविलास गुप्ता का कहना है कि शीघ्र ही बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो आंदोलन किया जाएगा।

मैं भी पागल हुआ हूं प्यार में अब दिल नहीं लगता कारोबार में.....

शक्तिनगर (सोनभद्र) : सोन संगम शक्तिनगर ने मंगलवार को संत कबीर दास की जयंती पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय शक्तिनगर के प्रधानाचार्य रविंद्र राम ने कहा कि कबीर दास आडंबर व पाखंड से अलग हट कर एक आदर्श समाज की स्थापना करना चाहते थे। डा. मानिक चंद पांडेय ने कहा कि कबीर दास संपूर्ण मध्य काल के एकमात्र ऐसे कवि हैं जो सत्य, ईश्वर, प्रेम, दया, करुणा एवं मानवता की स्थापना के प्रति आजीवन संघर्ष करते रहे। डा. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि कबीर तत्कालीन समाज के एक ऐसे महा योद्धा थे जो समाज को एक उच्च आदर्श प्रदान करने के लिए प्रयास करते रहे। डा. योगेंद्र मिश्र ने कहा कि कबीर स्वस्थ समाज के पक्षधर थे। पंडित व मुल्ला दोनों को वे ललकारते थे। काव्य संध्या में खडिया बाजार के बहर बनारसी ने मैं भी पागल हुआ हूं प्यार में, अब दिल नहीं लगता कारोबार में कविता पढ़कर वाहवाही लूटी। अध्यक्षता कर रहे माहिर मिर्जापुरी ने नफरत से नफरत बढ़ती है प्यार-प्यार करने से, अक्सर दिल टूट जाता है इन्कार करने से आदि कविता की प्रस्तुति की। अतिथियों का स्वागत विजय कुमार दुबे, संचालन डा. योगेंद्र मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन श्रवण कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजीव कुमार, बलवंत सिंह, सुरेंद्र द्विवेदी, डा. अविनाश कुमार दुबे, संतोष कुमार सिंह, बजरंग केसरवानी आदि उपस्थित थे।

अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

गोविंदपुर (सोनभद्र) । म्योरपुर के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी का कथित रूप से अपहरण करने वाले युवक सत्यम पुत्र गोरखनाथ निवासी म्योरपुर को पुलिस ने कस्बा के पतेरीटोला से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने किशोरी को भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने पूछताछ के बाद युवक का चालान कर दिया। पुलिस के अनुसार अपहृत किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद से ही पुलिस युवक और किशारी की तलाश में जुट गई थी। थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर एसआइ कवींद्र सिंह यादव, हेड कांस्टेबल आशीष पटेल और अर्चना वर्मा को मौके पर भेज कर दोनों की बरामदगी की गई। बताया कि दोनों अप्रैल से गायब थे।

समूह सखियों को मीटर रीडिंग के लिए किया चयनित

सोनभद्र ।राबर्ट्सगंज ब्लाक सभागार में मंगलवार को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी के ओएसडी (वाणिज्य) ओपी दीक्षित ने विद्युत वितरण खंड, जिला क्वार्डिनेटर व विद्युत सखियों के साथ बैठक की। ग्राम करकी की विद्युत सखी रागिनी देवी, ग्राम बिचपई की सखी ललिता देवी व मानपुर गांव की राबिया देवी को राजस्व वसूली में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेशर कूकर भेंटकर सम्मानित किया गया। मीटर रीडिंग के लिए विद्युत वितरण खंड राबर्ट्सगंज के अन्तर्गत 52 सखियों का चयन किया गया। इन्हें 4-5 गांव आवंटित कर ग्रामीण उपभोक्ताओं की बिलिंग भी करनी पड़ेगी। इसके बाद ओएसडी ने विद्युत कार्यशाला राबर्ट्सगंज का निरीक्षण किया। उन्होंने सहायक अभियंता को परिवर्तकों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देनेका निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने खंडीय कार्यालय में समस्त उपखंड अधिकारी व अवर अभियन्ताओं के साथ बैठक कर एक मुश्त समाधान योजना व राजस्व वसूली के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने समस्त अवर अभियंताओं को उपभोक्ता सेवा के साथ-साथ राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश भी दिया। इस मौके पर अधिशासी अभियंता एसके सिंह, एनआरएलएम जिला प्रबंधक एमजी रवि, सहायक अभियंता आइटी अभिषेक कौशल आदि मौजूद रहे।

उत्तेजक व माहौल बिगाड़ने वाले संदेश किसी भी हाल में न हों प्रसारित.....

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी धर्मगुरुओं, पीस कमेटी व अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि पारस्परिक सहयोग, सौहार्द, विधि एवं शांति व्यवस्था को जनपद में पूरी तरह से कायम रखना है। सभी धर्मगुरु, पीस कमेटी के लोग अपने-अपने क्षेत्रों में आम नागरिकों से आपसी प्रेम, सौहार्द बनाए रखने के लिए जागरूक करते रहे। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी प्रकार का उत्तेजक व माहौल बिगाड़ने वाले संदेश प्रसारित न हों। बताएं कि उत्तेजित होकर या आवेश में आकर किसी प्रकार का गलत कदम न उठाएं, क्योंकि आवेश या उत्तेजना में हुई गलती का खामियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इससे रोजी-रोजगार, व्यापार के साथ ही आपसी भाई-चारे का माहौल भी खराब होता है। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की स्थिति की जानकारी हो तो तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को दें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोनभद्र का इतिहास काफी अमन चैन का रहा है। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक ने धर्मगुरुओं से अपील की कि वह किसी भी अफवाह से बचें और समाज में अफवाह फैलाने वालों पर भी निगाह रखें। कहा कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त होती है, तो तत्काल पुलिस प्रशासन को अवगत कराएं।

यूरिया व डीएपी की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होगी समस्या

सोनभद्र। जिले में डीएपी व यूरिया पर्याप्त मात्रा में है। इससे किसानों को इस बार खेती में दिक्कत नहीं होगी। इस बार लक्ष्य की तुलना में यूरिया 201.39 प्रतिशत है। जून

में 2735 टन की यूरिया की जरूरत है जबकि उपलब्ध है 5508 टन। डीएपी लक्ष्य के सापेक्ष 145.69 प्रतिशत उपलब्ध। जून में डीएपी का लक्ष्य 2758, उपलब्धता 4018 टन है। खरीफ फसलों के लिए जिले के किसान परेशान न हों, उन्हें खाद की कमी की परेशानी नहीं होगी। किसानों को खाद की किल्लत से नहीं जूझना पड़े, इसे लेकर कृषि विभाग ने पूर्व से तैयारी कर ली है। विभाग का दावा है कि किसानों को इस साल खाद की कमी नहीं होगी। इसके अलावा विभाग ने उर्वरक की कमी से बचने के लिए अन्य इंतजाम भी किए है। वहीं दुकानदारों की मिलीभगत से हर वर्ष खाद की कृत्रिम कमी पैदा कर कालाबाजारी करने वाले बिचौलियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। खरीफ की खेती शुरू हो रही है। अब धान की नर्सरी डाली जा रही है। उड़द आदि भी बोने का इंतजार किया जा रहा है। बारिश होने के बाद उड़द बोई जाएगी। फिलहाल खेतों में धान की नर्सरी तैयार की जा रही है। किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि अक्सर जब धान की बीज की नर्सरी डाली जाती है तभी से जिले में खाद का संकट होने लगता था। इससे खाद की कालाबाजारी जमकर होती थी। किसानों को खाद के लिए समितियों पर लंबी कतार लगानी पड़ती थी। इस बार इन सब समस्याओं को किसानों को निजात मिलेगी। वजह की इस बार समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रहेगा। जिला कृषि अधिकारी डा. हरिकृष्ण मिश्रा ने बताया कि खाद पर्याप्त मात्रा में है। खाद की कालाबाजारी न हो इसके लिए टीम गठित की जाएगी। अभी खेतों में खाद की जरूरत नहीं है। इसकी जरूरत मध्य जुलाई में होती है। उन्होंने किसानों को आगाह किया है कि वे जिस भी दुकान से धान का बीज लें, उसकी पक्की रसीद अवश्य लें।

सब्जी विक्रेता को ट्रक ने रौदा ट्रामा सेंटर जाते समय हुई मौत

दुद्धी (सोनभद्र) : कस्बा स्थित म्योरपुर बस स्टैंड तिराहे पर बुधवार की सुबह बालू लदे ट्रक के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल मोपेड सवार बुजुर्ग सब्जी विक्रेता की ट्रामा सेंटर ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। मृतक बघाडू गांव में सब्जी

का दुकान चलाता था, वह प्रातः मंडी समिति से थोक सब्जी लेकर अपने गांव जा रहे थे कि रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। रास्ते से लौट रहे शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई। बघाडू गांव निवासी रामदेनी (62) बुधवार को तड़के मंडी करने के लिए अपने मोपेड से दुद्धी आए थे। मंडी समिति से थोक सब्जी वगैरह लेकर वह वापस गांव जा रहे थे कि नगर के म्योरपुर तिराहे पर स्थित पुलिस सहायता केंद्र के ठीक सामने डायवर्जन की ओर मुड़ रही ट्रक के पिछले चक्के के चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक़ मोपेड सवार बुजुर्ग के दाहिने पैर पर ट्रक का चक्का चढ़ने से वह बुरी तरह कुचल गया। घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ ने तत्काल समीप खड़े एक रिक्शे पर किसी तरह घायल सब्जी विक्रेता को लादकर अस्पताल में दाखिल कराया। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद तत्काल ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। स्वजन के मुताबिक़ दोपहर करीब तीन बजे रामदेनी की वाराणसी पहुंचने के पूर्व रास्ते में ही मौत हो गई। इसके बाद वे शव लेकर दुद्धी लौट आए। हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रक एवं उसके चालक को पुलिस हिरासत में ले लिया।

17 जून को एक दूसरे के होंगे 13 जोड़े

सोनभद्र। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत राबर्ट्सगंज स्थित नवीन मंडी समिति परिसर में 17 जून को 13 जोड़े शादी के बंधन में बंधेंगे। इसी स्थान पर 10 जून को 237 जोडों की शादी कराई गई थी। समाज कल्याण विभाग तैयारी में जुट गया है। पिछले वर्ष जनपद में 966 जोड़ों की शादी कराई गई थी। इस वर्ष राज्य सरकार ने शादी कराने का लक्ष्य 150 से बढ़ाकर 250 कर दिया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने बताया कि सरकार एक जोड़े की शादी में 51 हजार रुपये खर्च करती है। इस धनराशि में से 35 हजार रुपये वधू के खाते में जमा की जाती है। 10 हजार के उपहार भेंट किए जाते हैं। छह हजार रुपये खानपान की व्यवस्था पर लगाया जाता है। वर-वधू की पात्रता के क्रम में लड़के की आयु 21 वर्ष व उससे अधिक होनी चाहिए। वधू की उम्र 18 वर्ष से कम नहीं रहनी चाहिए। शहर में रहने वालों की वार्षिक आय 56 हजार चार सौ 60 रुपये से कम व ग्रामीण क्षेत्र वालों की वार्षिक आय 46080 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

राजकोट में हावी रही है टीम इंडिया, जीत दर्ज कर सीरीज में कर सकती है बराबरी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज का चौथा मैच सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम राजकोट में खेला जाएगा। इस सीरीज में फिलहाल दक्षिण अफ्रीका की टीम 2-1 से आगे चल रही है। दक्षिण अफ्रीका ने दिल्ली में पहला टी20 और कटक में दूसरा टी20 अपने नाम किया था जबकि विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया ने दमदार वापसी करते हुए 48 रनों से जीत दर्ज की थी और सीरीज में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा था। रिषभ पंत के पास राजकोट के मैदान पर जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका है क्योंकि इस मैदान पर टीम इंडिया का पलड़ा भारी है। यहां टीम ने 3 टी20 मैच खेले हैं जिसमें से 2 में उसे जीत हासिल हुई है। इस मैदान पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर की बात करें तो भारतीय टीम ने 2013 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 विकेट पर 202 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। इस मैच में युवराज सिंह ने 35 गेंदों पर 77 रनों की पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 5 छक्के लगाए थे। इस मैदान पर सबसे कम स्कोर की बात करें तो बांग्लादेश की टीम ने 2019 में यहां 6 विकेट पर 153 रन बनाए थे और भारत के हाथों उन्हें 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दोनों देशों के बीच हेड टू हेड मुकाबलों की बात करें तो अब तक 18 मुकाबले दोनों देशों के बीच हुए हैं जिसमें से भारत के हाथ 10 जीत जबकि साउथ अफ्रीका के हाथ केवल 8 जीत लगी है। राजकोट में जब टीम इंडिया रिषभ पंत की अगुआई में उतरेगी तो उसके पास इस आंकड़े को और भी बेहतर करने का मौका होगा।

भारत के खिलाफ आयरलैंड की टीम घोषित, भारतीय मूल के इस खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। भारत और आयरलैंड के बीच इसी महीने के आखिरी में दो टी20 मुकाबले खेले जाने हैं। सीरीज के लिए टीम इंडिया

आयरलैंड का दौरा करने वाली है। बुधवार को इस सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया। भारतीय टीम के सामने आने के कुछ ही घंटों के बाद आयरलैंड ने भी अपनी टीम की घोषणा की। 26 जून को पहला जबकि 28 जून को भारतीय टीम के साथ आयरलैंड को दूसरा टी20 मुकाबला खेलना है। पिछले साल कोरोना की वजह से इस दौरे के रद करना पड़ गया था। आयरलैंड ने भी भारत के विरुद्ध होने वाली दो टी-20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी। टी-20 टीम में स्टीफन डोहेनी और कानर ओल्फर्ट को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। इस टीम में सिमी सिंह को जगह नहीं दी गई है। भारतीय मूल के इस खिलाड़ी का प्रदर्शन पिछले दिनों कुछ खास नहीं रहा है। डोहेनी और ओल्फर्ट को क्रिकेट आयरलैंड द्वारा सालाना करार में रिटेन किया गया था अब दोनों भारत के खिलाफ चुनी गई 14 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। कप्तान बालबर्नी टीम को आफ स्पिनर का विकल्प देते है वहीं डोहेनी के आने से लेग स्पिन का भी एक विकल्प मिलेगा। भारतीय मूल के सिमी सिंह को टीम में जगह नहीं मिली है। 2018 में टी20 डेब्यू करने के बाद से उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतकीय पारी देखने को मिली है। एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जार्ज डाकरेल, स्टीफन डोहेनी, जोश लिटिल, एंड्रयू मैकब्राइन, बैरी मैककार्थी, कानर ओल्फर्ट, पाल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर और क्रेग यंग। भारत की टी20 टीम हार्दिक पांड्या (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), युजवेंद्रा सिंह चहल, अक्षर पटेल, रवि बिशनेई, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल न होने पर निराश है यह क्रिकेटर, घ्झ्थ् में गुजरात के लिए रहे थे मैच विनर

नई दिल्ली। आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान कर दिया गया है। इस टीम की कमान हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है जबकि अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उप-कप्तान बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौका न मिलने से निराश राहुल त्रिपाठी

को पहली बार टीम में शामिल किया गया है उन्होंने आइपीएल में 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 14 मैचों में 413 रन बनाए थे। लेकिए एक खिलाड़ी अब भी निराश है जिनका नाम आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं है। आइपीएल में गुजरात की टीम के लिए मैच विनर रहे राहुल तेवतिया की उम्मीदों को झटका लगा है। उन्हें उम्मीद थी कि आयरलैंड के खिलाफ उन्हें मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने सेलेक्शन न होने पर ट्विट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सैड इमोजी के साथ लिखा है कि एक्सपेक्टेशन हट्र्स। इस ट्विट पर कई क्रिकेट फैंस ने उनका साथ दिया है और लिखा है कि जल्द ही उन्हें मौका मिलेगा। आइपीएल 2022 राहुल के लिए अच्छा गुजरा था। उन्हें भले ही ज्यादा मैचों में बल्लेबाजी करने का मौका न मिला हो लेकिन जब भी उन्हें बल्लेबाजी में मौका मिला उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। राहुल ने 16 मैचों में 147.62 की स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए और दो मैचों में गुजरात के लिए मैच को फिनीश किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गई उनकी पारी को कोई नहीं भूल सकता जहां उन्होंने ओडियन स्मिथ की आखिरी 2 गेंदों पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। तेवतिया की उस पारी के बाद महान सुनील गावस्कर ने उनकी तारीफ की थी और विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहने की उनकी क्वालिटी को आइसमैन बताया था। इसके अगले मैच में ही तेवतिया ने 21 गेंदों पर 40 रन की विस्फोटक पारी खेल कर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई थी।

केएल राहुल टेस्ट से हो सकते हैं बाहर, इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हुई टीम इंडिया

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब भारतीय टीम टी20 सीरीज का चौथा और पांचवां मैच खेलने की तैयारी में होगी तो एक टीम इंग्लैंड के दौरे पर रहेगी। अगले महीने बर्मिंघम में होने वाले सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए टीम इंडिया गुरुवार सुबह इंग्लैंड के लिए रवाना हो चुकी है। फिलहाल रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह में उतरेगी। पंत को छोड़कर सभी खिलाड़ी एक से पांच जुलाई तक चलने वाले टेस्ट के लिए रवाना हो जाएंगे जिसमें अनुभवी खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, जसप्रीत बुमराह और मुहम्मद शमी शामिल हैं।यह समझा जाता है कि चयनकर्ता सिर्फ एक टेस्ट मैच के लिए राहुल की जगह कोई दूसरा खिलाड़ी शामिल

के अलावा आर अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर, प्रसिद्ध कृष्णा, चेतेश्वर पुजारा, हनुमा विहारी और केएस भारत इंग्लैंड के लिए रवाना हुए हैं बाकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे आखिरी टी20 के बाद रवाना होगी। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा, 'राहुल मांसपेशियों में खिंचाव से अभी उभर नहीं पाए हैं। इसलिए फिलहाल राहुल अभी इंग्लैंड के लिए रवाना नहीं हो रहे हैं। उन्हें ठीक होने में अभी और समय लगेगा। उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद कम है।' इंग्लैंड दौरे पर दो भारतीय टीमें जाएंगी। एक टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेगी तो दूसरी टीम आयरलैंड के विरुद्ध टी-20 मैचों नहीं करेंगे। अधिकारी ने आगे कहा, 'अगर कोई फिटनेस की समस्या होती है तो आपके पास शुभमन गिल हैं जिन्होंने कई टेस्ट मैचों में ओपनिंग की है। इसके अलावा पुजारा भी ओपनिंग कर सकते हैं। यह 17 सदस्यीय टीम है जिसमें 16 जा रहे हैं। कोई समस्या नहीं है।' रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

राहुल को मिला IPL में दमदार प्रदर्शन का इनाम, इन क्रिकेटरों ने दी शुभकामनाएं कहा

नई दिल्ली।आगामी आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान कर दिया है। इस स्क्वाड में पहली बार राहुल त्रिपाठी को शामिल किया गया है जिन्होंने आइपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की कमान हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है जबकि भुवनेश्वर कुमार को उप-कप्तान बनाया गया है। आइपीएल में राहुल त्रिपाठी ने अपने बल्ले से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होने 14 इनिंग्स में 158.24 की स्ट्राइक रेट से 413 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटरों ने उनकी तारीफ भी की थी और उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने की सिफारिश की थी। आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया को केवल 2 टी20 मैच खेलने हैं उम्मीद है कि राहुल को अंतिम ग्यारह में खेलने का मौका मिलेगा। नके सेलेक्शन पर टीम इंडिया के पूर्व गेंदबाज इरफान पठान ने उन्हें शुभकामनाएं दी है। उन्होंने ट्विट कर लिखा है कि भारतीय टीम में उनके नाम से मैं बेहद खुश हूं। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने लिखा है कि वेल डिजर्व, टीम इंडिया में शामिल होने के लिए शुभकामनाएं।वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने भी राहुल के सेलेक्शन पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने लिखा है कि टीम इंडिया में शामिल होने पर उन्हें बधाई वह टीम इंडिया में स्थान डिजर्व करते थे। इसके अलावा उन्होंने सैमसन

के बारे में भी लिखा है। उन्होंने लिखा है कि उनकी बल्लेबाजी में कुछ खास है उम्मीद है आयरलैंड के खिलाफ यह सामने आएगा। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने भी राहुल को बधाई दी है। उन्होंने हार्दिक को कप्तान बनाए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और लिखा है कि उनकी शानदारी कप्तानी आगे भी देखने के लिए उत्साहित हूं।

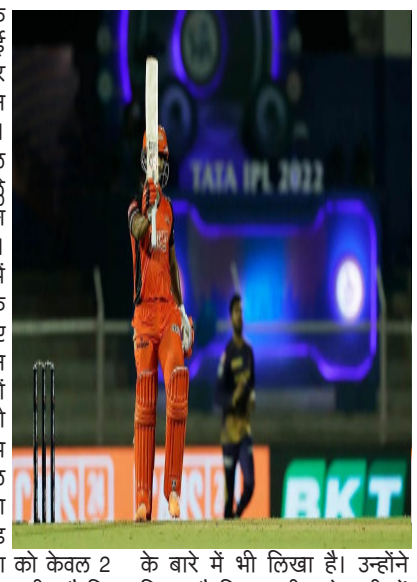

69 अंकों की छलांग लगाकर पहली बार टाप 10 में पहुंचे इशान किशन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले इशान किशन आइसीसी द्वारा जारी ताजा बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में पहली बार टाप 10 में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आइसीसी की टी20 रैंकिंग

में 7वां स्थान हासिल कर लिया है। टी20 रैंकिंग में एकमात्र भारतीय बल्लेबाज इशान किशन ही हैं जिन्हें इसमें जगह मिली है। टी20 में नंबर वन बल्लेबाज की बात करें तो पाकिस्तान के बाबर आजम हैं जो 818 अंकों के साथ नंबर वन पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर भी पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का कब्जा है जो 794 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के आलराउंडर एडेन मार्करम हैं जिनके पास 772 अंक हैं। आइसीसी ने जब पिछला टी20 रैंकिंग्स जारी किया था तो इशान किशन 76वें नंबर पर थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद इशान किशन ने 69 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 7वें स्थान पर जगह बना ली है। वह 689 अंकों के साथ 7वें नंबर पर हैं। इस टी20 रैंकिंग्स में भारत की तरफ से वह एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। इस रैंकिंग्स में केएल राहुल और रोहित शर्मा जैसे बल्लेबाजों को जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम फिलहाल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। सीरीज के पहले मैच में इशान किशन ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दी थी और 48 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली थी। दूसरे मैच लो स्कोर का रहा था जहां इशान किशन ने 21 गेंदों पर 34 रन की पारी खेली थी। विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे टी20 मैच में एकबार फिर से इशान किशन ने 35 गेंदों पर 54 रन की पारी खेली और जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एडेन मार्करम बाकी बचे दो मैचों से हुए बाहर क्विवंटन डीकाक के इंजरी पर भी आया अपडेट........

नई दिल्ली। 5 मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मैच से पहले साउथ अफ्रीका टीम को झटका लगा है। दरअसल टीम का मीडिल आर्डर बल्लेबाज एडेन मार्करम बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। इस

बात की पुष्टि साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड की तरफ से कर दी गई है। मार्करम पिछले हफ्ते कोविड पाजिटिव पाए गए थे जिसके बाद उन्हें 7 दिन के क्वरंटाइन के लिए भेज दिया गया था लेकिन अब भी वो टीम में चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं जिसका मतलब है कि वो बाकी बचे दो टी20 मैच नहीं खेल पाएंगे। साउथ अफ्रीका के ट्विटर हैंडल से ट्विट कर यह जानकारी दी गई कि प्रोटियाज बल्लेबाज मार्करम कोरोना पाजिटिव होने और 7 दिन क्वरंटाइन होने के बावजूद बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। साउथ अफ्रीका की तरफ से जारी एक आधिकारिक स्टेटमेंट में कहा गया है कि प्रोटियाज बल्लेबाज, एडेन मार्कराम, प्रोटियाज के बाकी भारत दौरे से बाहर हो गए हैं। पिछले सप्ताह ण्ध्न्न्छ-19 पाजिटिव होने के कारण उन्हें क्वरंटाइन में भेज दिया गया था। खिलाड़ी को घर लौटने की मंजूरी दे दी गई है, जब एक व्यक्ति दौरे पर सकारात्मक परीक्षण करता है।डीकाक पहले टी20 के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके बाद वह दूसरे और तीसरे टी20 मैच से बाहर हो गए थे। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड की तरफ से डीकाक के बारे में कहा गया है कि , विकेटकीपर बल्लेबाज, क्विंटन डीकाक की चोट में सकारात्मक सुधार आया है। प्रोटियाज के मेडिकल स्टाफ उनकी प्रगति का आकलन करना जारी रखेंगे और उचित समय में चौथे मैच की उपलब्धता पर निणऱ्य लेंगे। 5 मैचों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम 2-1 से आगे हैं। तीसरे टी20 में भारत ने अफ्रीका को 48 रनों से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी और सीरीज जीतने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा था।

IPL को ICC के FTP में जगह मिलने की खबर से पाकिस्तान की उड़ी नींद,PCB ने चली ये चाल

कराची। इंडियन प्रीमियर लीग दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले और कमाई करने वाली लीग

में शामिल है। इसके मीडिया राइट्स की नीलामी में हर एक मैच के टीवी राइट्स ने सारे पुराने रिकार्ड तोड़ दिए। बीसीसीआइ ने आइपीएल मीडिया राइट्स की नीलामी पूरी होने के बाद टूर्नामेंट को आइसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम यानी उसके कैलेंडर में जगह दिलाने की बात कही। इस बात को बोर्ड सचिव जय शाह ने बताया। आइपीएल के आइसीसी के एफटीपी में शामिल किए जाने की खबर के सामने आने के बाद से ही पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आइसीसी के अगले भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) कैलेंडर में आइपीएल को ढाई महीने की विंडो दिए जाने के प्रस्ताव पर बाकी बोर्ड से बात करेगा, क्योंकि उसका मानना है कि कई अंतरराष्ट्रीय सीरीज पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने कहा था कि 2024 से 2031 के एफटीपी चक्र में आइपीएल के लिए ढाई महीने की विंडो रहेगी। शाह ने कहा था, 'अगले एफटीपी चक्र से आइपीएल के लिए ढाई महीने की विंडो रहेगी, ताकि सभी शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इसमें खेल सकें। हमने दूसरे बोर्ड और आइसीसी से भी इस पर बात की है।' पीसीबी का मानना है कि मामले पर चर्चा की जरूरत है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, 'आइसीसी बोर्ड की बैठक बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जुलाई में होगी और इस मसले पर बात की जाएगी।' अधिकारी ने कहा कि क्रिकेट में पैसा आते देखना अच्छा है, लेकिन आइपीएल के लिए हर साल शीर्ष क्रिकेटरों को पूरी तरह से बुक करने की बीसीसीआइ की योजना का अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज पर विपरीत असर पड़ेगा।

राशिफल

मेष-:अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है. ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें।

वृष-:आज कोई अच्छी जानकारी मिलने वाली है. आज आपको मिलने वाले अवसरों के लिए खुद को तैयार करें। आपकी महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर होंगी।

मिथुन-:अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम करें. खर्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आय में वृद्धि से संतुलन बनेगा।

कर्क-:आज का दिन व्यस्त रहेगा। बेहतर होगा कि अपने प्रोजेक्ट का काम समय पर पूरा कर लें। जीवनसाथी के साथ आज आपका समय शांतिपूर्ण रहने वाला है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा।

सिंह-:मित्र के साथ गलतफहमी अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है, किसी भी निणऱ्य पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण से जांच लें. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें।

कन्या-:आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा जिससे आप सफलता की ओर तेजी से बढ़ेंगे। ऐसी सभी चीजों से दूर रहें जो आपकी प्रगति में बाधक हैं।

तुला-:आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है. आप जिन लोगों के साथ रहते हैं, वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी किया हो। आपके काम में रुकावट आ सकती है

वृश्चिक-:आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है. आज मन को व्यर्थ के विचारों में न भटकने दें। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके घर से शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु-:उदास और उदास न हों. आपके लिए आकर्षक निवेश योजनाओं के बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें, कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। दोस्त और परिवार आपको प्यार और सहयोग देंगे।

मकर-:आज आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी और दुखी कर सकता है. दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ-:धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे. यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मीन-:आज का दिन यादगार रहने वाला है. एक समूह गतिविधि का नेतृत्व करेंगे। परिवार से जुड़ी परेशानियां आज खत्म होंगी। आप भी दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सम्पादकीय

कृषि उपज के कारोबार में दूर होती बाधाएं, बाजार तक आसान होती किसानों की पहुंच

जिन किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल बेचने की गारंटी के लिए साल भर धरना-प्रदर्शन किया, वही आज अपनी उपज सरकारी एजेंसियों को न बेचकर एमएसपी से ऊंची कीमत पर निजी कारोबारियों को बेच रहे हैं। गेहूं ही नहीं सरसों, कपास, चना की बिक्री भी समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर हो रही है। सबसे बड़ी बात यह हुई कि अनाज की बिक्री के लिए पंजीकरण के बावजूद किसान अपनी उपज लेकर सरकारी खरीद केंद्रों पर नहीं जा रहे हैं, क्योंकि व्यापारी खुद उन तक जा रहे हैं। इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है। इस साल 29 मई तक 17.5 लाख किसानों से 184.5 लाख टन गेहूं की खरीद की गई। यह खरीद 2021-22 की सरकारी खरीद 433.4 लाख टन से 53 प्रतिशत कम है। सरकार ने 2022-23 के लिए 444 लाख टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन निजी कारोबारियों द्वारा 2,500 से 3,000 रुपये प्रति क्विंटल की आक्रामक खरीदारी के कारण किसान समर्थन मूल्य 2,015 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की बिक्री के लिए उत्साह नहीं दिखा रहे। जिन राज्यों में सरकारी खरीद का व्यवस्थित नेटवर्क नहीं है, वहां भी निजी एजेंसियां एमएसपी से ऊंची कीमत देकर गेहूं की खरीद कर रही हैं। यह भविष्य के लिए एक सुखद संकेत है। विश्व के गेहूं कारोबार में 29 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले रूस-यूक्रेन के युद्धरत होने के चलते दुनिया में गेहूं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे विश्व में गेहूं की कीमतें बढ़ रही हैं। इसी कारण भारत सरकार ने गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। भविष्य में गेहूं की ऊंची कीमत मिलने की उम्मीद में भी बहुत से किसान उपज नहीं बेच रहे हैं। आज किसानों को एमएसपी से अधिक कीमत मिल रही है तो इसका श्रेय आठ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए विपणन सुधारों को जाता है। मोदी सरकार कृषि उपज की खरीद-बिक्री में सरकारी क्षेत्र के समानांतर निजी क्षेत्र की मौजूदगी बना रही है। इससे खरीद में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका लाभ किसानों को मिलेगा। गेहूं, सरसों, कपास के मामले में तो यह लाभ मिलने भी लगा है। आगे अन्य फसलों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार परंपरागत मंडी व्यवस्था को सूचना प्रौद्योगिकी आधारित आधुनिक व्यवस्था में बदल रही है, ताकि कृषि उपज के कारोबार में बाधा न आए। इसके तहत मंडियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) पोर्टल से जोड़ा जा रहा है, ताकि किसान सभी मंडियों में अपनी उपज का कारोबार कर सकें। 31 दिसंबर, 2021 तक 18 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों की 1,000 मंडियों को ई-नाम प्लेटफार्म में बदला जा चुका है। इससे 1.72 करोड़ किसान और दो लाख ट्रेडर्स जुड़े हैं। अब 1,000 नई मंडियों को ई-नाम पोर्टल से जोड़ने का काम जारी है। ई-नाम योजना को मिली सफलता को देखते हुए मोदी सरकार ग्रामीण हाटों को मिनी एपीएमसी मार्केट में बदल रही है। मनरेगा के तहत अब तक 1,351 ग्रामीण हाटों को बदला जा चुका है। 1,632 ग्रामीण हाटों को मिनी एपीएमसी मार्केट में बदलने की प्रक्रिया जारी है। 31 मार्च, 2020 तक देश में 6,845 एपीएमसी बाजार थे। किसानों की बाजार तक पहुंच बढ़ाने और बेहतर कीमत दिलाने के लिए उनका नियमन किया गया है। इनके अलावा देश भर में जो थोक बाजार खरीद केंद्र हैं, उन्हें भी सरकार विनियमित कर रही है। किसानों और बाजार के संबंध को मजबूत बनाने के लिए सरकार गोदाम और कोल्ड स्टोरेज को बाजार की मान्यता प्रदान करने जा रही है। उत्पादक केंद्रों को उपभोक्ता केंद्रों से जोड़ने के लिए सरकार किसान रेल चला रही है। इससे किसान दूरदराज के बाजारों में अपनी उपज बेच रहे हैं। इसके अलावा सरकार जल्द खराब होने वाले फलों-सब्जियों को उत्पादक केंद्रों से उपभोक्ता केंद्रों तक पहुंचाने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। पूवरेत्तर और हिमालयी राज्यों के शीघ्र खराब होने वाले फलों-सब्जियों की 'किसान उड़ान' से ढुलाई के लिए भी सब्सिडी दे रही है। चूंकि छोटे किसानों की बाजार तक पहुंच सीमित होती है इसलिए सरकार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बना रही है।

बिहार से लेकर गुरुग्राम तक मचा बवाल जानें इस स्कीम की उपयोगिता; एक्सपर्ट व्यू

संजय वर्मा। अग्निपथ योजना (हार्ड्रप् एम्पस) का एक प्रत्यक्ष लाभ यह है कि सेना(घ्र्ह्रीह्र्स्ब्) में आने और वर्दी पहनकर देशसेवा की इच्छा रखने वाले हजारों युवाओं को अपने सपने साकार करने का मौका मिलेगा। बेशक इनमें से दो-तिहाई युवाओं की चार साल बाद सेवामुक्ति हो जाएगी, लेकिन उनके आत्मविश्वास में हुई बढ़ोतरी, अनुशासन की भावना जगने, स्वास्थ्य की जागरूकता आने और उनके नजरिये में आए फर्क से काफी ज्यादा सामाजिक परिवर्तन की उम्मीद की जा सकती है। युवाओं को सेना से जोड़ने का काम पूरी संजीदगी से हो, ताकि उसका फायदा हरेक को मिल सके। अगर पूछा जाए कि सेनाओं का प्राथमिक लक्ष्य क्या होता है तो इसका एक सहज जवाब है दुश्मनों से देश की सीमाओं की रक्षा करना। दुनिया के किसी भी देश की सेना के कुछ काम और हैं। जैसे बाढ़-भूकंप आदि प्राकृतिक आपदाओं में जान-माल की सुरक्षा करना, दंगे आदि उन अराजक स्थितियों में हालात पर काबू पाना जब स्थितियां स्थानीय प्रशासन और पुलिस के नियंत्रण से बाहर हो गई हों। इसी तरह की अन्य भूमिकाओं में सेना को काम करते देख कोई यह सवाल नहीं उठाता है कि वहां हजारों-लाखों युवाओं की क्यों भर्ती की गई है? उल्टे सेना की ऐसी भूमिकाएं लोगों में देशभक्ति का भाव भरती हैं और सैनिकों के प्रति सम्मान पैदा करती हैं, लेकिन जब इधर हमारी सरकार ने भारतीय सेना में अस्थायी भर्ती के अभियान के तौर पर एक योजना अग्निपथ का एलान किया तो बेरोजगारी से त्रस्त देश में इससे कोई राहत महसूस करने के बजाय आपत्तियों का बवंडर उठ गया है। योजना की घोषणा के अगले ही दिन बिहार के बक्सर और मुजफ्फरनगर में युवा इसके विरोध में प्रदर्शन करने लगे। कई विश्लेषकों ने भी इस योजना पर यह कहते हुए एतराज जताया है कि बिना ज्यादा ट्रेनिंग के भर्ती किए जाने वाले युवाओं पर चार साल बाद सेवामुक्ति का जो खतरा मंडराएगा, वह उन्हें जोशीले और देश पर जान लुटाने को तैयार कर्मठ जवान की तरह काम करने नहीं देगा, बल्कि इसके विपरीत वे किसी तरह अपनी नौकरी सुरक्षित करने के दांवपेच में लग जाएंगे। इससे न तो देश में कायम बेरोजगारी का हल निकलेगा

और न ही देश की उस सैन्य क्षमता में कोई उल्लेखनीय इजाफा होगा, जिसके सामने चुनौतियों के ढाई मोर्चे (पाकिस्तान, चीन और आंतरिक अस्थिरता) पहले से ही खुले हुए हैं। सवाल है कि क्या टूर आफ ड्यूटी कही जा रही यह नई योजना वास्तविक सैन्य समस्याओं (मोर्चो) का समाधान है, जिसमें खास तौर से चीन की ओर से गलवन घाटी जैसी शरारतें लगातार जारी हैं। या फिर यह योजना देश की उस बेरोजगारी का कोई ठोस समाधान देती है, जिससे संबंधित आंकड़े बताते हैं कि भारत में फिलवक्त तकरीबन 5.10 करोड़ युवाओं के पास कोई रोजगार नहीं है। सेना में युवाओं की अस्थायी भर्ती होगी-ऐसी चर्चा पिछले कुछ समय से निरंतर चल रही थी। अब रक्षा मंत्री ने साढ़े सत्रह साल से 21 साल के बीच के हजारों युवाओं को इस योजना में भर्ती होने और चार साल तक नौकरी करने के अलावा एकमुश्त साढ़े 11 लाख रुपये के पैकेज के साथ नौकरी से विदाई लेने का आश्वासन सामने रख दिया है। चार साल की नौकरी में युवा शुरुआती 30 हजार से लेकर अंतिम वर्ष में 40 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन पा सकेंगे। यही नहीं, इस अग्निपथ योजना के तहत चुने गए अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत युवा सेना में अग्निवीर के तौर पर नियमित नौकरी का मौका भी पा सकेंगे, जिसमें चयन के लिए थोड़े सख्त मानदंड होंगे और छह महीने की अतिरिक्त ट्रेनिंग दी जाएगी। सेना में हर साल होने वाली मौजूदा 65 हजार भर्तियों की संख्या इस योजना से तकरीबन दोगुनी अवश्य हो जाएगी। इसके अलावा अन्य फायदों पर नजर डालें तो कह सकते हैं कि सरकार पर पेंशन का बोझ कम होगा और वह रक्षा के लिए तय होने वाले बजट का एक बड़ा हिस्सा आगे चलकर सेना के आधुनिकीकरण पर खर्च कर सकेगी। अभी हमारे देश के 5.2 लाख करोड़ रुपये के कुल रक्षा बजट में से आधा वेतन और पेंशन पर खर्च होता है। अगर यह खर्च घटाया जा सके तो सेना हथियारों की खरीद और आधुनिकीकरण पर खर्च बढ़ा पाएगी। जहां तक इस योजना में हर साल भर्ती किए जाने वाले 46 हजार युवाओं का सवाल है तो एक प्रत्यक्ष लाभ यह है कि सेना में आने और वर्दी पहनकर देशसेवा की इच्छा रखने वाले हजारों युवाओं को अपने सपने साकार करने का मौका मिलेगा। बेशक इनमें से दो-तिहाई युवाओं की चार साल बाद सेवामुक्ति हो जाएगी, लेकिन उनके आत्मविश्वास में हुई बढ़ोतरी, अनुशासन की भावना जगने, स्वास्थ्य की जागरूकता आने और उनके नजरिये में आए फर्क से काफी ज्यादा सामाजिक परिवर्तन की उम्मीद की जा सकती है। हो सकता है कि सेवा से बाहर आने के बाद उनके हाथ में 11-12 लाख रुपये की जो रकम आएगी, उसका वे सार्थक उपयोग करें और अपने समेत दूसरे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें। यह भी ध्यान रखना होगा कि 'अग्निपथ' के रूप में भर्ती की टूर आफ ड्यूटी जैसी प्रक्रिया शुरू करने वाला भारत अकेला देश नहीं है। बल्कि इजरायल, नार्वे, स्विट्जरलैंड, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, रूस, चीन, यूक्रेन आदि तमाम देश में टूर आफ ड्यूटी के अंतर्गत युवाओं को अस्थायी रूप से सेना के लिए अनिवार्य रूप से अपना योगदान देना होता है। यानी वहां ऐसी नियुक्तियों को रोजगार का मौका मानने के बजाय देश के लिए एक अनिवार्यता के तौर पर योगदान देने की बाध्यता है। हालांकि हमारे देश में बेरोजगारों की फौज को देखते हुए इसमें अनिवार्य योगदान या देशभक्ति से ज्यादा रोजगार का सकारात्मक पहलू ज्यादा जोड़ा जा रहा है। वहीं आलोचकों की नजर में इसमें कई ऐसी समस्याएं हैं, जो न तो देश की सेना की जरूरतों को पूरा होने देती हैं और न ही बेरोजगारी रूपी समस्या का कोई स्थायी समाधान प्रस्तुत कर पाती हैं। अग्निपथ योजना की पहली समस्या भर्तियों की संख्या लगभग दोगुनी हो जाने पर सेना में ट्रेनिंग के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर पर पैदा होने वाले दबाव की है। सैन्य प्रशिक्षण की गुणवत्ता दूसरा बड़ा सवाल पैदा करती है। मौजूदा मानदंडों के मुताबिक पंद्रह साल की सेवा के लिए चुने जाने वाले युवाओं को 44 हफ्ते की ट्रेनिंग दी जाती है, पर अग्निपथ में चार साल की सेवा के लिए करीब साल भर प्रशिक्षण मिलेगा-इसकी उम्मीद कम ही है। प्रशिक्षण की अवधि में काट-छांट होना लाजमी है। इसका असर जवानों के अनुशासन, समर्पण, लगन और देश एवं पलटन के लिए मर-मिटने के भाव पर पड़ सकता है। अहम यह है कि चार साल की नौकरी के बाद 25 प्रतिशत युवाओं को नौकरी में बनाए रखने का जो प्रलोभन है, वह बहुतेरे युवाओं को अफसरों की जी-हुजूरी से आगे देश के प्रति समर्पण की ओर कैसे ले जा पाएगा? समस्या या चुनौती का एक स्तर सीमित प्रशिक्षण पाकर युद्ध के मोर्चे पर तैनात होने वाले नौसिखिए जवानों की तैनाती से पैदा होगा। ऐसे जवान शत्रु पक्ष की ओर से मिलने वाली चुनौतियों का पूरी ताकत से कैसे मुकाबला कर पाएंगे-इसकी रूपरेखा इस नई योजना में नहीं दिखाई पड़ती है। अगर अग्निपथ के तहत चयनित जवानों को न्यूनतम चुनौतियों वाली जगहों पर तैनात करने की तैयारी है तो सवाल है कि फिर ऐसी योजना का रोजगार देने के सिवाय आखिर क्या लाभ है? वैसे भी पेशेवर सेनाएं रोजगार देने की योजना चलाने के लिए नहीं, बल्कि सीमाओं की रक्षा करने और चुनौतियों से जूझने के लिए जानी जाती हैं। एक चिंता सेनाओं की पुरानी रेजिमेंटल संरचना में इस कारण पैदा होने वाले व्यवधान को लेकर भी जताई जा रही है, जिस पर इस योजना का असर पड़ना तय है। बेशक बेरोजगारी का हमारे देश में जो स्तर है, उसके तहत इन भर्तियों के लिए भी कतारें लगेंगी, लेकिन इससे बेरोजगारी नामक समस्या का भी कोई ठोस हल निकलेगा-ऐसी कोई बड़ी सूरत नजर नहीं आती। यह जरूर है कि इसका थोड़ा-बहुत राजनीतिक लाभ सरकारों को मिल सकता है, क्योंकि चुनावों के वक्त उनके लिए इस मुद्दे को भुनाना आसान होगा। इसके अलावा इस संबंध में रक्षा मंत्री का यह दावा भी ठीक लगता है कि अग्निपथ योजना के अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों का प्रोफाइल उतना ही युवा हो सकता है, जितना कि भारत की आबादी का है, लेकिन युवाओं को सेना से जोड़ने का यह काम पूरी संजीदगी से हो, ताकि उसका फायदा हरेक को मिल सके-यह कामना तो की ही जा सकती है।

अपने आप से सवाल करें मुसलमान, मस्जिदों से निकलकर सड़कों पर उग्र प्रदर्शन करके क्या संदेश देना चाहते हैं

भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा और पार्टी की दिल्ली इकाई के मीडिया प्रभारी रहे नवीन जिंदल की पैगंबर मोहम्मद साहब के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में 10 जून को देश के विभिन्न हिस्सों में जुमे की नमाज के बाद व्यापक प्रदर्शन और हिंसा देखने को मिली। प्रयागराज, सहारनपुर, हावड़ा, रांची आदि शहरों में तो

प्रदर्शनकारी सीधे सुरक्षा बलों से भिड़ गए और आगजनी एवं पथराव कर व्यवस्था को चुनौती देने पर उतर आए। इन शहरों के अलावा दिल्ली स्थित शाही जामा मस्जिद से लेकर मुरादाबाद, फिरोजाबाद, बिजनौर लखनऊ, कोलकाता, अहमदाबाद, लुधियाना, औरंगाबाद, भद्रवाह, डोडा, किश्तवाड़ आदि शहरों में भी जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन हुए। कहीं-कहीं वे इतने उग्र थे कि या तो कर्फ्यू लगाना पड़ा या फिर धारा 144 लगानी पड़ी। इसके पहले 3 जून को जुमे की नमाज के बाद कानपुर में जो उग्र प्रदर्शन हुए, उसमें भी हिंसा भड़क उठी थी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन करना आम नागरिकों का संवैधानिक हक है, लेकिन जिस प्रकार जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन और वह भी उग्र प्रदर्शन करने का चलन हाल के दिनों में बढ़ा है, वह न तो देश के हित में है और न ही मुसलमानों के हित में। आखिर मुसलमान जुमे के दिन मस्जिदों से निकलकर सड़कों पर उग्र प्रदर्शन करके क्या संदेश देना चाहते हैं? ऐसा तो एक समय कश्मीर में होता था। क्या शेष देश का मुसलमान भी पत्थरबाज होने के ठप्पे के साथ व्यवस्था का हिस्सा बनना चाहता है मुसलमानों ने पहले ही दिन से नुपुर और नवीन की टिप्पणियों के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाई। इसके बाद कई इस्लामी देशों ने भी विरोध जताया। इस पर केंद्र सरकार ने न केवल अपने दोनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की, बल्कि देश की लोकतांत्रिक, सामाजिक एवं संवैधानिक व्यवस्था को विश्व के सामने स्पष्ट करते हुए कहा कि उसके नेताओं की ओर से जो कुछ कहा गया, उससे उसका कोई लेना-देना नहीं। इसी के साथ भाजपा ने अपने सभी नेताओं को धार्मिक मामलों में संभलकर बोलने की हिदायत दी। नुपुर और नवीन के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआइआर भी दर्ज की। इस सबके बाद भी मुसलमानों के एक वर्ग ने सड़कों पर उतरकर उग्रता दिखाई। ऐसा करके उन्होंने खुद को गलत राह पर ही चलते दिखाया। संवैधानिक व्यवस्था में किसी भी अपराध के लिए कानूनी तौर पर सजा का प्रविधान है। इसमें न तो सड़क की हिंसा काम करती है और न ही बेजा दबाव। मस्जिदों को प्रदर्शनों का अखाड़ा बनाना तो बहुत ही खराब परंपरा है। इससे न केवल मुसलमानों के बारे में गलत राय कायम होगी, बल्कि वे अपने मकसद को हासिल भी नहीं कर पाएंगे। उनकी छवि बात-बात पर व्यवस्था को चुनौती देने वाले वर्ग की बनेगी। यही नहीं, मस्जिदों को शक की निगाह से देखा जाएगा। इसके चलते जुमे के दिन मस्जिदों के इर्द-गिर्द चौकसी बढ़ाना प्रशासन की मजबूरी बन जाएगी। क्या ऐसा होना अच्छी बात होगी? इससे भी अहम सवाल यह है कि क्या इससे मुस्लिम समाज की छवि बेहतर होगी यदि मुसलमानों को किसी मुद्दे पर विरोध जताना है और शासन-प्रशासन तक अपनी बात पहुंचानी है तो यह काम मस्जिदों के जरिये और खासकर जुमे की नमाज के बाद तो बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। सामाजिक, राजनीतिक अथवा व्यवस्थागत मुद्दों की लड़ाई उचित मंच के माध्यम से सही तरीके से ही लड़ी जानी चाहिए। धार्मिक स्थलों का सहारा लेकर अपनी बात कहना और उस दौरान हिंसा करना संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती देना है। किसी मुद्दे पर विरोध प्रकट करने के लिए जो ताकतें मुसलमानों को मस्जिदों से बाहर लाकर सड़क पर हिंसा करने को उकसाती हैं, उनसे मुस्लिम समाज को सावधान रहना होगा। उसे इस पर भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि उसकी रहनुमाई कैसे लोग कर रहे हैं? इसके पहले 2019-20 में नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के विरोध के नाम पर भी मुस्लिम समाज की दिशाहीनता देखने को मिली थी। दिल्ली में सीएए विरोधी आंदोलन का अंत दंगों के साथ हुआ, लेकिन लगता है कि इसके बाद भी जरूरी सबक नहीं सीखे गए। पैगंबर मोहम्मद साहब पर अवांछित टिप्पणी को लेकर औसत मुसलमानों की प्रतिक्रिया देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे मुस्लिम समुदाय जानबूझकर या तो अलग-थलग रहना चाहता है या फिर उसके पास कोई दूरदृष्टि वाला नेतृत्व नहीं है। नुपुर शर्मा, नवीन जिंदल या अन्य लोगों द्वारा पैगंबर मोहम्मद साहब के बारे में की गई अवांछित टिप्पणियों की हिंदू समाज के तमाम लोगों ने भी खुलकर आलोचना की है। बलिया, कानुपर समेत देश के कई हिस्सों में इंटरनेट मीडिया पर अनाप-शनाप लिखने वालों को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचाया है। मुस्लिम समाज किसी मसले पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए हिंसा का रास्ता अपनाएगा, पुलिस को निशाना बनाएगा, सरकारी-निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाएगा और मस्जिदों की आड़ लेकर अव्यवस्था फैलाएगा तो इससे देश-दुनिया को गलत संदेश तो जाएगा ही, जिन लोगों का साथ मिल रहा है, वे भी किनारा करना पसंद करेंगे। इस्लाम में जुल्म पर सब्र को तरजीह दी गई है। 10 जून को देश के तमाम शहरों में जो हिंसा हुई, उसे लेकर मुस्लिम समाज को खुद से यह सवाल करना होगा कि क्या वे सही रास्ते पर हैं मुसलमानों को इस पर भी विचार करना चाहिए कि आखिर उनके ऐसे व्यवहार के बाद शेष देश को उनका साथ क्यों देना चाहिए।

सामाजिक न्याय की गारंटी नहीं जातिगत जनगणना, खिसक रहा जातीय राजनीति की जमीन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में जातिगत जनगणना कराने का सर्वदलीय निर्णय लिया है। इसके पूर्व फरवरी 2019 और 2020 में बिहार विधानसभा जातिगत जनगणना का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर चुकी है। क्या बिहार के दल समझते हैं कि जनगणना से बेहतर सामाजिक न्याय मिलेगा? जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने से राजनीतिक दलों को यही तो पता चलेगा कि कौन सा जाति समूह कितने प्रतिशत है। चूंकि बिहार में राजद और जदयू की

राजनीति अन्य पिछड़ा वर्ग पर आधारित है, इसीलिए भाजपा सहित सभी दल जातिगत जनगणना का श्रेय लेना चाहते हैं, लेकिन जनता को पता है कि जातीय जनगणना मात्र से उसे आरक्षण या सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि देश में 'अस्मिता की राजनीति अर्थात जातीय राजनीति की जमीन खिसक रही है और लोग धीरे-धीरे समावेशी राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिसमें सभी का विकास निहित है। जातिगत जनगणना की कवायद आसान नहीं। उसके आंकड़ों को एकत्र कर विश्लेषित करना भी एक चुनौती है। मनमोहन सरकार द्वारा 2011 में जो सामाजिक-आर्थिक-पारिवारिक जनगणना हुई, उसके आंकड़े प्रकाशित नहीं हो सके। अंतिम जातिगत जनगणना 1931 में हुई, जिसमें 4,147 जातियां चिह्नित की गई थीं, किंतु 2011 की जनगणना में 46 लाख से अधिक जातियों/उपजातियों को दर्ज किया गया। आखिर इतनी बढ़ोतरी कैसे संभव हुई देश में राष्ट्रीय स्तर पर जातियों का समरूप वर्गीकरण संभव नहीं है, क्योंकि कोई जाति एक राज्य में ओबीसी है, तो दूसरे राज्यों में सामान्य वर्ग में है। बिहार में बनिया/वैश्य ओबीसी, तो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में सामान्य वर्ग में हैं। रेड्डी कर्नाटक में ओबीसी तो आंध्र में सामान्य वर्ग में हैं। केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में जनगणना 2011 के जातिवार आंकड़े सार्वजनिक न करने के यही सब कारण बताए थे। जातिगत जनगणना कराना न तो व्यावहारिक है, न ही प्रशासकीय रूप से संभव है। देश में राष्ट्रीय स्तर पर जातियों का समरूप वर्गीकरण संभव नहीं है, क्योंकि कोई जाति एक राज्य में ओबीसी है, तो दूसरे राज्यों में सामान्य वर्ग में है। बिहार में बनिया/वैश्य ओबीसी, तो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में सामान्य वर्ग में हैं। रेड्डी कर्नाटक में ओबीसी तो आंध्र में सामान्य वर्ग में हैं। केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में जनगणना 2011 के जातिवार आंकड़े सार्वजनिक न करने के यही सब कारण बताए थे। जातिगत जनगणना कराना न तो व्यावहारिक है, न ही प्रशासकीय रूप से संभव है। जातिगत जनगणना में नागरिक से केवल उसकी जाति या जाति-समूह पूछा जाएगा। उसे कोई दस्तावेज नहीं दिखाना पड़ेगा। बिहार में बड़ी संख्या में रोहिंग्या मुस्लिमों का जमावड़ा है। संभव है वे स्वयं को न केवल जातिगत जनगणना में शामिल करा लें, बल्कि कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया अदि जिलों में आरक्षण का लाभ लेने के लिए स्वयं को ओबीसी में शामिल कराएं। अनेक मुस्लिम जातियां जैसे कसब, चिक, डफली, धोबी, धुनियां, नट, नालबंद, पमारिया, भतिआर, मेहतर, लालबेगी, अंसारी, जुलाहा, रंगरेज, कुंजरा, दर्जी आदि पहले से बिहार में 'ओबीसी' शामिल हैं और आरक्षण का लाभ ले रही हैं। चूंकि जातिगत जनगणना के आंकड़े विधिक दस्तावेज नहीं, इसलिए उसके द्वारा किसी को अपनी जाति या जाति-समूह प्रमाणित करने का कानूनी आधार नहीं मिलेगा। प्रख्यात समाजशास्त्री एमएन श्रीनिवास के 'संस्कृतिकरण' सिद्धांत के अनुसार सामाजिक संरचना में नीचे के सोपान पर स्थित व्यक्ति ऊपर बढे की अभिलाषा रखता है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय है कि नागरिक अपना पंथ बदल सकता है, मगर जाति नहीं। स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना से नागरिकों को कोई लाभ नहीं मिलेगा, केवल 'ओबीसी' पर जातिगत राजनीति करने वाले दलों को चुनावी लाभ मिल सकता है। कोई समरूप सामाजिक वर्ग नहीं है। उसमें तीन उपवर्ग हैं, जिनमें पिछड़े (यादव/अहीर), मध्यम-पिछड़े (कुर्मी, लोध) और सर्वाधिक पिछड़े (कुशवाहा, कहार, शाक्य, निषाद, पाल, गड़रिया आदि) हैं। क्या कभी जातिगत जनगणना की मांग कर रहे दलों ने इन सभी के लिए सामाजिक न्याय की बात की है।

संक्षिप्त समाचार

बिशनपुरा गांव में 70 वर्षीय बुजुर्ग की सीढ़ी से गिरकर मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। बिशनपुरा गांव में बुधवार को 70 वर्षीय बुजुर्ग की सीढ़ी से गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली और जांच की। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के बिशनपुरा गांव में बुधवार को बागपत निवासी 70 वर्षीय भेरु अपनी रिश्तेदारी में आए थे। वह अपने रिश्तेदार के मकान में सीढ़ियों से चढ़ रहे थे। इसी दौरान उनका नियंत्रण बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर नीचे आ गिरे। नीचे गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नूपुर शर्मा के समर्थन में सड़कों पर बजरंग दल-विश्व हिंदू परिषद, जम्मू-पुंछ नेशनल हाईवे किया बंद

सुंदरबनी। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को मिल रही धमकियों के मामले में वीरवार को हिंदू संगठन सुंदरबनी में आ डटे। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

एडवोकेट आलोक कुमार की अध्यक्षता में सैकड़ों विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जम्मू पुंछ नेशनल हाईवे को बंद कर नूपुर शर्मा और नवीन कुमार जिंदल का समर्थन करते हुए प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा नूपुर शर्मा का बयान बैध है ।

सूखे के कारण साल 2050 तक 21.6 करोड़ लोगों को छोड़ना पड़ सकता है अपना घर, इन राज्यों पर संकट ज्यादा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन के कारण सूखे की घटनाओं में वृद्धि होने की आशंका जताई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, साल 2000 से 2019 के बीच एक अरब से अधिक लोग सूखे से प्रभावित हुए हैं। सूखे से प्रभावित होने वाले देशों में सबसे अधिक अल्पविकसित और विकासशील देश शामिल हैं और उनमें भी सबसे अधिक प्रभावित महिलाएं और लड़कियां हैं। भारत भी अपवाद नहीं है। भारतीय कृषि क्षेत्र मुख्य रूप से मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, देश का लगभग 68 प्रतिशत हिस्सा अलग-अलग स्तरों पर सूखे से ग्रस्त है। मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि भारत के 35 प्रतिशत क्षेत्रों में 750 मिलीमीटर से 1125 मिलीमीटर तक वर्षा होती है। जबकि 33 प्रतिशत क्षेत्रों में 750 मिलीमीटर से भी कम वर्षा होती है, ये क्षेत्र ही सूखे से ज्यादा प्रभावित रहते हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जब किसी क्षेत्र में होने वाली वर्षा सामान्य स्तर से 26 प्रतिशत कम होती है तो वह क्षेत्र सूखे से ग्रस्त माना जाता है। सूखे के दो स्तर होते हैं, एक सामान्य सूखा और दूसरा गंभीर सूखा। जब किसी क्षेत्र में वर्षा की कमी 26 से 50 प्रतिशत के बीच होती है तो उसे सामान्य सूखा माना जाता है, लेकिन अगर वर्षा की कमी 50 प्रतिशत से अधिक हो जाती है तो इसे गंभीर सूखे की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में सूखे से सबसे अधिक प्रभावित राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश हैं। इसके अलावा गुजरात, उत्तर प्रदेश का कुछ क्षेत्र, झारखंड और ओडिशा का आंतरिक हिस्सा तथा तमिलनाडु का दक्षिणी भाग भी इससे प्रभावित रहता है। भारत में सूखे का मुख्य कारण मानसून के दौरान कम वर्षा का होना है। देखा गया है कि अगर मानसून 10 से 20 दिनों की देरी से आता है, तब भी सूखा पड़ता है। भारत में पड़ने वाले सूखे का एक प्रमुख कारण, यहां होने वाली वर्षा का असमान वितरण भी है। यानी कुछ क्षेत्रों में तो वर्षा काफी ज्यादा हो जाती है, लेकिन कई क्षेत्रों में वर्षा काफी कम होती है। इसके अलावा भारत में 80 प्रतिशत वर्षा 100 दिनों से कम दिनों में हो जाती है, जबकि शेष दिनों में केवल 20 प्रतिशत वर्षा होती है। विश्व बैंक का अनुमान है कि सूखे की वजह से वर्ष 2050 तक करीब 21.6 करोड़ लोगों को पलायन करने के लिए विवश होना पड़ सकता है। शुष्क तथा अनावृष्टि वाले क्षेत्रों में जल की आपूर्ति के लिए देश की प्रमुख नदियों के बेसिन आपस में जोड़कर नदियों का एक ग्रिड बना देना चाहिए। जल संचयन के लिए अधिक से अधिक कुओं और तालाबों आदि का निर्माण करना चाहिए। जल संग्रहण से लिए छोटे बांधों का निर्माण किया जाना चाहिए। सूखा पड़ने वाले क्षेत्रों में आर्गेनिक फार्मिंग भी जीवनदायी सिद्ध हो सकती है।

कौन हैं गोपालकृष्ण गांधी, जिन्हें विपक्ष बना सकता है राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

नई दिल्ली। देश में जुलाई महीने में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इस बार राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी का नाम सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को विपक्षी दलों की बैठक की थी। इस बैठक में गांधी के नाम को संयुक्त उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया गया। साथ ही फारूक अब्दुल्ला के नाम का भी प्रस्ताव रखा गया। हालांकि अभी तक केवल शरद पवार के नाम पर ही सहमति बनी है, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया।रिपोर्टों के मुताबिक, विपक्षी नेताओं ने गोपालकृष्ण गांधी से फोन पर बात की और उनसे राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार बनने पर विचार करने का आग्रह किया है। हालांकि इस संबंध में समाचार एजेंसी पीटीआई द्वारा सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।' बता दें कि इससे पहले साल 2017 में गोपालकृष्ण गांधी भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए सर्वसम्मति से विपक्षी उम्मीदवार थे। हालांकि एम वेंकैया नायडू से वह चुनाव हार गए थे। विपक्ष की ओर से अभी तक राष्ट्रपति चुनाव के लिए किसी एक नाम पर फैसला नहीं हो सका है। लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही विपक्ष अपने उम्मीदवार का एलान कर सकता है। हालांकि विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रपति चुनाव में साझा उम्मीदवार मैदान में उतारने पर सहमति बन गई है, लेकिन उम्मीदवार अभी तय नहीं हुआ है।बता दें कि ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि राकांपा प्रमुख शरद पवार ने विपक्ष का सर्वसम्मत प्रत्याशी बनने से इन्कार कर दिया है। वहीं, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने 17 विपक्षी दलों की बैठक में पवार के इन्कार के बाद नेशनल कान्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी के नाम को उम्मीदवार के रूप में सुझाया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोपालकृष्ण गांधी ने नेताओं से उनके अनुरोध पर निर्णय लेने के लिए और समय मांगा है।

रोड शो के बहाने कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश भर गए मोदी, देखिए तस्वीरें

धर्मशाला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धर्मशाला में भव्य स्वागत किया गया। जहां फूलों की बारिश प्रधानमंत्री पर की गई वहीं भाजपा, जिंदाबाद, नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद व जयराम ठाकुर जिंदाबाद के भी खूब नारे लगे। प्रधानमंत्री के रोड शो का शुभारंभ मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कार्यालय के गेट से केसीसीबी चौक कचहरी बाजार तक करीब 15 मिनट तक रोड शो चला। इस रोड शो के माध्यम से पीएम मोदी पार्टी कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश भी भर गए। पीएम मोदी ने करीब एक किलोमीटर के रोड शो के दौरान लगातार हाथ हिलाते रहे व गाड़ी से फूल उठाकर कार्यकर्ताओं व समर्थकों पर बरसाते रहे। गद्दी, तिब्बती ओर गोरखा समुदाय के लोगों ने तय प्वाइंटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर स्वागत किया। कांगड़ी संस्कृति की झलक भी इस रोड शो में देखने को मिली। रोड शो में मोदी के साथ मुख्यमंत्री और सुरेश कश्यप खुली जीप में रहे, इससे पहले राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने नरेन्द्र मोदी का साई मैदान पहुंचने पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री और पीएम मोदी की मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं में काफी जोश दिखा। जगह जगह लोगों ने प्रधानमंत्री पर पुष्प बारिश की, वहीं प्रधानमंत्री भी लोगों पर पुष्प बरसाते व हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते दिखे।

श्रीनगर-पंचतरणी के बीच हेलीकाप्टर सेवा की शुरूआत

श्रीनगर। इस साल 30 जून से आरंभ होने जा रही श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थ यात्रा-202 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। देश-विदेश से यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु श्रीनगर से सीधा पंचतरणी हेलीकाप्टर सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज वीरवार को आनलाइन टिकट बुकिंग पोर्टल का उद्घाटन कर हेलीकाप्टर सेवा की शुरूआत कर दी। आपको बता दें कि इससे पूर्व सिर्फ बालटाल और नुनवन पहलगाम से ही पंचतरणी तक हैलीकाप्टर सेवा थी। यहां से पवित्र गुफा छह किलोमीटर की दूरी पर है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि श्रद्धालुओं की एक लंबे समय से मांग थी कि श्रीनगर से भी हेलीकाप्टर सेवा होनी चाहिए। अब श्रद्धालु एक ही दिन में पवित्र गुफा की तीथर्यात्रा कर वापस लौट सकेंगे। आनलाइन बुकिंग पोर्टल की सुविधा का लाभ उठाते हुए श्रद्धालु आसानी से अपने लिए टिकट बुक कर पाएंगे। अमरनाथ यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पंचतरणी के लिए हेलीकाप्टर सुविधा पाने के लिए भी श्रद्धालुओं को बालटाल या फिर पहलगाम जाना पड़ता था। इसके लिए वे या तो पैदल चलते थे या फिर घोड़ों की सवारी करते थे। अब श्रीनगर पहुंचने पर श्रद्धालु वहां से सीधा हेलीकाप्टर सुविधा प्राप्त कर पंचतरणी जा सकते हैं। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए वहां से उन्हें पैदल मात्र छह किलोमीटर का सफर ही तय करना है। दर्शनों के बाद वे फिर से पंचतरणी से हेलीकाप्टर पर वापस श्रीनगर लौट सकते हैं। पारंपरिक पहलगाम मार्ग से श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा की दूरी करीब 30 किलोमीटर के करीब है ।

बीमार व्यक्ति की पावर आफ अटार्नी रखने वाले के फैसले को अदालत ने ठहराया सही जानें- क्या है पूरा मामला

बिलासपुर। जमीन संबंधी विवाद को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि बीमार व्यक्ति अगर किसी को पावर आफ अटार्नी का अधिकार देता है तो वह जो भी फैसला लेगा, उसे कानूनी रूप से मान्यता मिलेगी। इसी के साथ ही हाई कोर्ट ने पूर्व में निचली अदालत द्वारा दिए गए फैसले को रद कर करते हुए प्रकरण को पुनः सुनवाई के लिए निचली अदालत में भेजने का निर्देश रजिस्ट्रार जनरल को दिया है। मामला छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के ग्राम कंडोला का है। हेमराज और हरिहर रिश्ते में सगे भाई हैं। हेमराज ने दो शादियां की थीं। पहली पतनी की चार बेटियां हैं। दूसरी पत्नी ननकीदाई संतानहीन है। हेमराज और हरिहर की गांव में 4.634 हेक्टेयर पैतृक जमीन है। हेमराज की मौत के बाद परिवारवालों ने इस जमीन का आपस में मौखिक बंटवारा कर लिया। इसमें ननकीदाई का भी हिस्सा है। इस बीच हरिहर लकवाग्रस्त हो गए। इस पर उन्होंने 23 अप्रैल, 2009 को अपने बेटे विजय लाल को पावर आफ अटार्नी का अधिकार दे दिया। इसके बाद विजय लाल पुश्तैनी जमीन की खरीद-बिक्री करने लगा। इस पर ननकीदाई ने आपत्ति जताते हुए निचली अदालत में प्रकरण दर्ज करा दिया। वहां ननकीदाई के पक्ष में फैसला सुनाते हुए पावर आफ अटार्नी को रद कर दिया गया। निचली अदालत के आदेश के बाद भी विजय लाल मालिकाना हक नहीं छोड़ रहा था। इस पर ननकीदाई हाई कोर्ट पहुंची। मामले की सुनवाई में जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने कहा कि जिस समय हरिहर ने विजय लाल को पावर आफ अटार्नी का अधिकार दिया, उस समय याचिकाकर्ता को पक्षकार नहीं बनाया गया था। लिहाजा याचिकाकर्ताद्वारा दायर लिखित बयान कोई मायने नहीं रखता। उसकी आपत्ति स्वीकार्य नहीं है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा दिए गए फैसले को भी रद कर दिया।

कार चोर गिरोह पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर बीटा-2 पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से गाड़ियों को हैक कर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो सगे भाइयों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि उनका एक साथी अभी हत्थे नहीं चढ़ सका है। आरोपी सगे भाइयों ने कार घटना का खुलासा करने के लिए सीसीटीवी और सर्विलांस का सहारा लिया। पुलिस ने ग्रेटर नोएडा से लेकर इंदौर मध्य प्रदेश तक करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। आरोपियों द्वारा चोरी की गाड़ियों को मध्य प्रदेश की तरफ बेच दिया जाता था। पुलिस टीम ने मामले का खुलासा करते हुए पांच चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े

चोरी करने का तरीका यूट्यूब से सीखा था। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी ऑनलाइन मंगवाई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की तीन गाड़ियां बरामद की हैं। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि करीब दस दिन पहले सेक्टर अल्फा वन से एक ही रात में दो गाड़ियां चोरी हुई थीं जबकि एक गाड़ी चोरी करने का प्रयास किया गया था। सेक्टर बीटा-2 पुलिस ने गाड़ी चोरी का मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने सेक्टर अल्फा दो से चोरी हुई दो कारों की चोरी की

गए चोरों की पहचान दो सगे भाई दीपक और रोहित, गब्बर, भानु प्रताप सिंह निवासी रोशन विहार कॉलोनी जमुनापार जिला मथुरा और इरफान निवासी रानीपुरा इंदौर मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर सेक्टर अल्फा दो से चोरी की गई दोनों गडियां और बिसरख से चोरी हुई एक कार बरामद की है। पुलिस गिरोह में शामिल एक आरोपी की तलाश में जुटी है। उसके पकड़े जाने पर और गडियां बरामद होने की उम्मीद है।

बिहार में बीजेपी दफ्तर और ट्रेनों में लगाई आग, दर्जनभर स्टेशनों पर तोड़फोड़, बोले- पहले की तरह हो भर्ती

पटना। आर्मी, नेवी और वायुसेना में भर्ती के लिए सरकार की नई योजना 'अगिन्पथ' के विरोध में बिहार में शुरू हुआ युवाओं का विरोध दूसरे दिन यानी गुरुवार को उग्र रूप अखतियार कर लिया है। नवादा जिले के भाजपा कार्यालय में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इससे पहले इसी जिले में भाजपा विधायक पर हमला हुआ था। दिल्ली- हावड़ा मुख्य रेल लाइन के बक्सर और आरा स्टेशनों पर जमकर तोड़फोड़ हुई है और रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। सुबह से लेकर अब तक हुए हंगामे ने रेलवे को भारी नुकसान पहुंचाया है। बिहार के रास्ते चलने वाली तमाम ट्रेनें इससे प्रभावित हुई हैं। रेलवे ने बुलेटिन जारी कर बताया है कि बिहार में किस रेलखंड पर यातायात की क्या सथिति है।विरोध की यह कड़ी भागलपुर से बक्सर तक देखने को मिल रही है। कई जगह ट्रेनों की बोगियों में आग लगा दी गई है, तो आरा में ट्रेन पर पथराव से कई यात्री जख्मी हो गए हैं। मोतिहारी, सिवान, छपरा, जहानाबाद, अरवल, नवादा, पटना, मुजफ्फरपुर, कैमूर सहित कई शहरों में पिछले दो दिनों में विरोध तेज हुआ है। गया में गांधी मैदान में युवाओं ने सभा की। यहां प्रशासन पहले से सतर्क रहा और सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया था। युवाओं का कहना है कि सरकार को सेना में भर्ती, वेतन और पेंशन के लिए पुरानी प्रक्रिया को ही जारी रखा जाना चाहिएगुरुवार को पटना - गया रेलखंड, पटना-पीडीडीयू रेलखंड, गया- किउल रेलखंड, छपरा- सिवान रेलखंड पर युवाओं ने ट्रेन परिचालन बाधित किया है। बुधवार की शाम गया में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के काफिले पर इसी विषय पर हंगामे के दौरान पथराव किया गया था। गुरुवार को नवादा में विधायक की गाड़ी पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। हंगामा के चलते पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, काशी-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-कामख्या एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को अलग -अलग स्टेशनों पर घंटों रोकना पड़ा है। बुधवार को पटना, भागलपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय सहित और भी कई शहरों में हंगामा हुआ था।जहानाबाद टेशन पर नई योजना के विरोध में सेना बहाली की तैयारी करने वाले युवाओं ने प्रदर्शन किया। यहां युवाओं ने ट्रेनों के साथ स्टेशन के ठीक बगल से गुजरने वाले एनएच पर वाहनों का आवागमन भी बाधित किया। करीब

ढाई घंटे के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर युवाओं को खदेड़ा। अरवल में भी आर्मी बहाली को लेकर हंगामा हुआ, जिसे प्रशासन ने दो घंटे की मशक्कत के बाद शांत करा लिया। इधर, बक्सर और नवादा में भी हंगामा शुरू हुआ है। नवादा जिले में वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र की विधायक अरुणा देवी की गाड़ी पर हमले की सूचना मिल रही है। आरा स्टेशन के पास चलती ट्रेन पर पथराव से कई रेल यात्री घायल हो गए हैं, जिनका इलाज दानापुर के रेलवे अस्पताल में किया जा रहा जहानाबाद में सुबह छह बजे ही छात्रों ने आकर रेलवे ट्रैक पर कब्जा जमा लिया था। छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस भी चुप थी। तीन घंटे बाद छात्रों की भीड़ से अचानक किसी ने पथराव शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने भो मोर्चा संभाल लिया। हल्का बल प्रयोग कर छात्रों को खदेड़ भगाया। इस बीच पथराव में रेल पुलिस के जवान निरंजन कुमार जख्मी हो गए, जिनका इलाज रेल अस्पताल में कराया गयापटना-गया एनएच 83 से भी सुबह 10 बजे के आसपास पुलिस ने जाम हटाया। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को समझाकर काको मोड़ को खाली कराया। यहां छात्रों ने आगजनी भी की थी। पटना-गया और जहानाबाद-बिहारशरीफ मार्ग पर यातायात सामान्य हुआ। दोनों मार्ग सुबह छह बजे से ही बंद होने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जाम में फंसे लोगों ने राहत की सांस ली।बक्सर में गुरुवार की सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में युवक किला मैदान में एकत्र हुए और यहां से जुलूस के रूप में नारे लगाते हुए स्टेशन की ओर रवाना हो गए। युवकों ने लगातार दूसरे दिन बक्सर में रेल ट्रैक जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। बक्सर जिले में पड़ने वाले तमाम छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों पर हंगामा किया गया। डुमरांव स्टेशन पर खड़ी एक एसी स्पेशल ट्रेन को नुकसान पहुंचाया गया। आरा शहर में भी युवा इकट्ठा होकर रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां जमकर तोड़फोड़ की।आपको बता दें कि बुधवार को सेना बहाली के नियमों में बदलाव के विरोध में बक्सर रेलवे स्टेशन पर करीब 45 मिनट तक रेल परिचालन बाधित किया था। गया में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के काफिले पर पथराव किया गया था और मुजफ्फरपुर में भी काफी हंगामा हुआ था। इधर, बक्सर में लगातार दूसरे दिन युवा इकट्ठा होकर विरोध कर रहे हैं।जहानाबाद में सेना बहाली को लेकर युवकों ने किंजर-कुर्था मोड़ एवं पालीगंज पथ को पूरी तरह जाम कर दिया है। इन युवाओं का कहना है कि सेना भर्ती प्रक्रिया को दो साल से रोक रखा गया है। इस बीच सेना बहाली की तैयारी करने वाले युवाओं की उम्र खत?म हो रही है। युवाओं का कहना है कि सेना भर्ती की प्रक्रिया पुराने नियमों के अनुसार तुरंत शुरू करनी चाहिए। आर्मी बहाली की मांग कर रहे युवाओं ने दिल्ली हावड़ा मुख्य रेल मार्ग के पटना पीडीडीयू रेलखंड के बक्सर स्टेशन पर यातायात बाधित किया था। बुधवार की सुबह बक्सर में युवाओं ने काशी - पटना जनशताब्दी को काफी देर तक स्टेशन पर रोक कर रखा था। आरपीएफ और जीआरपी के प्रयासों के बाद ट्रेन परिचालन शुरू कराया गया था। मुजफ्फरपुर में युवाओं ने दो साल से लंबित सेना बहाली प्रक्रिया पूरी करने की मांग को लेकर सड़कों पर टायर जलाकर यातायात बाधित किया था और नारेबाजी की थी। इस दौरान पुलिस को लाठी चार्ज करते हुए भीड़ को कंट्रोल करना पड़ा था। गया के भुसुंडा मोड़ पर बुधवार की शाम सड़क जाम कर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी बीच रास्ते से गुजरते पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के काफिले पर पथराव कर दिया गया। हालांकि, इसमें किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। इसके बाद पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस मंगाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

महिला की पीटकर हत्या, पति फरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सूरजपुर कस्बे में महिला की हत्या का मामला सामने आया है। महिला का शव उसके कमरे में बेड पर पड़ा हुआ मिला है। घटना के बाद से महिला का पति गायब है। पति पर पीटकर पतनी की हत्या करने का शक है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुटी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति की गिरफ्तारी के बाद हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस के मुताबिक अलीगढ़ के रहने वाला लाल सिंह ने तीन दिन पहले सूरजपुर कस्बे के एक कॉलोनी में किराए पर कमरा लिया था। लाल सिंह अपनी पतनी कुसमा के साथ यहां रह रहा था। बुधवार की सुबह मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी कि उनके एक कमरे से बदबू आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का बाहर से दरवाजा लगा हुआ था। पुलिस ने दरवाजा खोलकर देखा तो अंदर कुसमा का शव पड़ा था। पुलिस ने बताया कि शव से बदबू आ रही थी और शरीर पर चोट के निशान थे। महिला का पति घर से गायब था। आशंका है कि पतनी की हत्या करने के बाद आरोपी भाग गया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी पति तलाश की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हत्या का खुलासा किया जाएगा।

नोएडा सिपाही पर दूसरी शादी करने का आरोप, केस दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में तैनात यातायात पुलिस के सिपाही पर पहले से शादीशुदा होने के बावजूद महिला इंजीनियर से दूसरी शादी करने का आरोप लगा है। इसको लेकर इंजीनियर ने सेक्टर 20 थाने में सिपाही के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।पुलिस को दी शिकायत में एक महिला ने बताया कि वह निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उनका कहना है कि 12 दिसंबर 2020 को विपिन देओल नाम के युवक से उसकी शादी हुई थी। उसने खुद को कुंवारा बताया था। विपिन गौतमबुद्ध नगर में यातायात पुलिस में सिपाही है। पीडिता ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद ही विपिन उसके साथ बदसलूकी करने लगा। वह सप्ताह में तीन-चार दिन तक घर से बाहर रहता था। कुछ दिन बाद पीडिता को पता चला कि विपिन पहले से शादीशुदा है। उसके पत्नी और बच्चे भी हैं। पीडिता का आरोप है कि विपिन ने उसे हत्या करने की भी धमकी दी है। पीडिता ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपी उसकी हत्या करवा सकता है। पुलिस ने पीडिता की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोनम कपूर का हुआ ग्रैंड बेबी शॉवर, पिंक गाउन में दिखा होने वाली मम्मी का जबरदस्त ग्लो

नई दिल्ली। सोनम कपूर और आनंद आहूजा जल्द ही माता-पिता बनने वाले है। नीरजा एक्ट्रेस अपनी प्रेगनेंन्सी के हर पल को खूब एन्जॉय करती हुई दिखाई दे रही हैं और साथ ही उनका खूबसूरत लुक देखते ही बन रहा अपने ग्रैंड बेबी शावर के खास मौके पर सोनम कपूर ने परफॉर्मेंस से हर किसी को एंटरटेन किया और जल्द ही बॉलीवुड की यमी मम्मी बनने जा रहीं सोनम कपूर के साथ कई तस्वीरें शेयर की। सोनम

कर रही है। वह सोशल मीडिया पर भी अपने बेबी बंप के साथ कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सोनम कपूर पति आनंद आहूजा के साथ अपना बेबीमून वेकेशन पूरा कर मुंबई लौटी हैं। लेकिन इस बीच बेबी शावर की कुछ तस्वीरें सामने आई है। जिसमें अभिनेत्री जमकर मस्ती पिंक कलर चुना। पिंक रंग के लॉन्ग गाउन और गोल्डन इयरिंग्स में सोनम बहुत ही प्यारी लग रही है। एक्ट्रेस के चेहरे पर मां बनने का ग्लो साफ देखा जा सकता है। सोनम कपूर के बेबी शावर में खूब डांस और मस्ती करती हुई नजर आई। इस पार्टी में जाने-माने आर्टिस्ट लियो कल्याण भी पहुंचे हुए थे। जिन्होंने अपनी लाइव कपूर और आनंद आहूजा ने एक तस्वीर के साथ मार्च 2022 में अभिनेत्री की प्रेगनेंन्सी की घोषणा की थी। सोनम कपूर रॉयल अंदाज में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। ई-टाइम्स में छपी रिपोर्ट्स की मानें तो सोनम कपूर अगस्त में अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगी।

तारक मेहता में 'दयाबेन' दिशा वकानी की वापसी को लेकर भड़के फैंस, असित मोदी को जमकर दी गालियां

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की वापसी के लिए दर्शक पलकें बिछाए बैठे हैं। लोग तब खुशी से झूम उठे जब उन्होंने देखा कि हाल के ही एपिसोड में सुंदरलाल ने गोकुलधाम सोसाइटी में आकर बताया कि वो अपनी बहना 'दयाबेन' को वापस ले कर आए हैं। तारक मेहता के फैंस जो कि पिछले 5 सालों से दयाबेन की वापसी का इंतजार कर रहे थे उनकी खुशी का तो ठिकाना नहीं रहा। लोग अगले एपिसोड में टप्पू की मम्मी को देखने की आस लगाए बैठे थे, पर ये क्या! इस बार भी उनका दिल टूट गया। इस बार भी दयाबेन वापस नहीं आई और ये देख कर शो के फैंस गुस्से से आग बबूला हो गए कि उन्हें एक बार फिर धोखा दिया गया। हालांकि जेठालाल ने भी अपने साले सुंदरलाल को अल्टीमेटम दिया कि कुछ भी करके दया को दो महीने के अंदर वापस लेकर आए। दर्शक तो इतने ज्यादा नाराज हो गए हैं कि सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा निकालते हुए दिख दिया कि शो के मेकर्स उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ बंद करें तारक मेहता के निर्माता असित कुमार मोदी ने ई-टाइम्स के साथ इंटरव्यू में अब इस पूरी स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि लोग दया को शो में वापस देखने के लिए लोग इस कदर इमोशनल हैं कि उन्हें गाली तक दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम कोशिश कर रहे हैं।

ऑडिशन लिए जा रहे हैं, वैसे हम भी चाहते हैं कि दिशा वकानी ही दयाबेन के रूप में वापसी करें। बता दें कि हाल ही में खबर आई थी कि दिशा वकानी ही दयाबेन के तौर पर वापसी करने वाली हैं। पर तभी उनके भाई मयूर वकानी ने सबको बताया कि दिशा दूसरी बार मां बनी हैं, इस बार उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया है। ऐसे में दिशा की वापसी के सारे कयासों पर विराम लग गया।

ऊर्फी जावेद ने जब सिर्फ सिल्वर फॉइल लपेटकर करवाया था फोटोशूट, सोशल मीडिया में मच गया था हंगामा, देखें ये 7 वीडियोज

नई दिल्ली। उर्फी जावेद सोशल मीडिया की सबसे चर्चित सेलेब्रिटीज में से एक हैं। उर्फी भले ही पर्दे पर कम सक्रिय नजर आती हों, मगर सोशल मीडिया और विभिन्न-ऐप्स पर उनके चाहने वालों की तादाद कम नहीं हैं। लोखों ऐसे फैंस हैं, जो उर्फी जावेद की तस्वीरों और वीडियोज को खूब लाइक करते हैं। मगर, ऐसे लोगों की भी संख्या कम नहीं है, जो उर्फी के ड्रेसिंग सेंस का मजाक उड़ाते हैं और उनको ट्रोल करते हैं। उर्फी ऐसी बातों से विचलित नहीं होतीं और अपने अजीबो-गरीब ड्रेसेज के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती है। इसी क्रम में वो कभी सिर्फ सिल्वर फॉइल लपेटकर फोटोशूट करवाती हैं तो कभी प्लास्टिक लपेटकर कैमरे के सामने चली जाती है। उर्फी की ऐसी ही सात ड्रेसेज, जिनके लिए उन्हें खूब ट्रोल किया गया। उर्फी ने कुछ दिनों पहले ड्रेस पहनकर कैटवॉक करते हुए वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो सिर्फ लॉन्जरी के ऊपर प्लास्टिक की पैंट पहनकर कैट वॉक करते हुए नजर आ रही हैं इससे पहले उर्फी ने एक

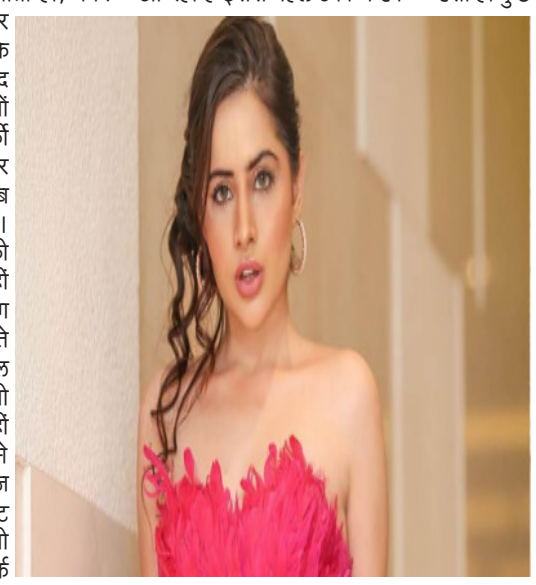

ड्रेस पहनी थी, जिसे बनाने में सफेट वर्गाकार पैचेज का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, इस ड्रेस में थोड़ा क्रिएटिविटी को तारीफ भी मिली। यूजर्स को जैसे ही लगता है कि यह हद है, उर्फी इससे आगे नहीं जा सकतीं, बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट उनका भ्रम तोड़ते हुए कुछ ऐसा पहन लेती हैं कि यूजर्स सोच में पड़ जाते हैं कि क्या कमेंट करें ऐसा ही कुछ उर्फी ने कुछ दिन पहले किया, जब उन्होंने टाट लपेटकर वीडियो शेयर किया, जिसमें मालफंक्शन भी हो गया था उर्फी ने उस वक्त भी हद कर दी, जब उन्होंने अपनी ही तस्वीरों को ड्रेस की तरह बदन पर लपेटकर फोटोशूट करवाया था। मगर, उर्फी का आज तक का सबसे चर्चित आउटफिट सिल्वर फॉइल है, जिसे उन्होंने ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस के अंदाज में लपेटा था। साथ ही, सिर पर उसी फॉइल का मुकुट भी बनाकर लगा लिया था। उर्फी ने मशहूर सिंगर रिहाना के एक मेट गाला लुक को कॉपी करते हुए सिल्वर फॉइल से अपनी ड्रेस तैयार की थी, जो सिंगर ने 2018 में स्पोर्ट किया था। उर्फी का यह लुक वायरल हुआ था और खूब चर्चित हुआ था।

33 फिल्में फ्लॉप होने के बावजूद भी मिथुन चक्रवर्ती का रहा जलवा जारी, कभी हेलन के असिस्टेंट थे 'डिस्को डांसर'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने अपने शानदार अभिनय से ही नहीं बल्कि अपने यूनिक डांस स्टेप्स से भी दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाई। 16 जून 1950 को जन्में मिथुन चक्रवर्ती ने अपने करियर में अब तक लगभग 350

से अधिक फिल्में की है। जिन्में हिंदी के साथ-साथ पंजाबी, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु अलग-अलग भाषाओं की फिल्में हैं। 72 साल के हो चुके मिथुन दा के करियर में एक ऐसा भी दौर आया था, जब उनकी फिल्में एक के बाद एक फ्लॉप हो रहीं थी। अभिनेता के जन्मदिन पर जानिये उनके बारे में कुछ दिलचस्प बातें। मिथुन चक्रवर्ती का जन्म कोलकाता में ही हुआ था, उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई कोलकाता में ही पुरी की। दिग्गज अभिनेता का शुरुआत से ही फिल्मों की तरफ रुझान था। इसी वजह से उन्होंने अभिनय सीखने के लिए पुणे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में एडमिशन लिया। मिथुन दा लंबे समय तक संघर्ष करते रहे और आखिरकार उन्हें 1976 में मृणाल सेन की बंगाली फिल्म 'मृगया' से अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने का मौका मिला, अपनी पहली ही फिल्म के लिए अभिनेता ने नेशनल पुरस्कार जीता था। मिथुन चक्रवर्ती फिल्मों में आने से पहले डांसिंग डीवा हेलन के असिस्टेंट रह चुके है। 80 के दशक में उन्होंने 'डिस्को डांसर' बन सबको अपनी धुन पर नचाया। उनका गाना 'जिमी-जिमी' 35 सालों के बाद भी सुपरहिट गाना बना हुआ है। उनके गानों ने सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी खूब धमाल मचाया। अपनी पहली फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने अपने अभिनय करियर का सबसे बुरा दौर भी देखा है। साल 1993 से लेकर 1998 में मिथुन दा ने कई फिल्मों में काम किया। लेकिन उनकी एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप हुई थी। उन्होंने अपने करियर में लगातार 33 फ्लॉप दी, लेकिन इसका एक्टर के स्टारडम पर कोई असर नहीं पड़ा। मेकर्स पर एक्टर के अभिनय का जादू इस कदर चढ़ा की 33 फिल्में फ्लॉप होने के बाद भी उन्होंने अगली 12 फिल्में साइन की थी। मिथुन दा के चाहने वालों की कोई कमी नहीं है। अपने अभिनय के साथ-साथ चार्म सिर्फ गर्ल फैंस पर ही नहीं चला बल्कि बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस पर भी चला। मिथुन चक्रवर्ती का नाम को-स्टार रंजीता, योगिता बाली, सारिका और अन्य अभिनेत्रियों के साथ जुड़ा, लेकिन श्रीदेवी के साथ उनके अफेयर की चर्चा सबसे ज्यादा रही। एक आचे अभिनेता होने के साथ-साथ मिथुन चक्रवर्ती एक सफल बिजनेसमैन भी हैं और साथ ही राजनीति में भी काफी सक्रिय हैं।

जल्द होने वाला है 'खतरों के खिलाड़ी 12' का प्रीमियर नोट कर लें ये डेट और टाइम

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के खतरनाक स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी के 12वें सीजन का जो लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए खुशखबरी है। शो के मेकर्स ने अब खतरों के खिलाड़ी 12 के टीवी प्रीमियर डेट की घोषणा

कर दी है। उन्होंने बता दिया है कि आप कब से अपने इस फेवरेट एडवेंचर आधारित रियलिटी शो को देख पाएंगे। फिलहाल केकेके 12 की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में चल रही है। हाल ही में रोहित शेट्टी के टीवी रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 का एक नया प्रोमो जारी किया गया है। जिससे यह पता चल गया है कि इस शो का प्रीमियर 2 जुलाई रात 9 बजे होने वाला है। इसे शनिवार और रविवार यानी वीकेंड में कलर्स पर प्रसारित किया जाएगा। प्रोमो में हर बार की तरह इस बार भी रोहित दिल दहला देने वाला स्टंट अंजाम देते नजर आ रहे है। खतरों के खिलाड़ी-12 के सभी कंटेस्टेंट सोशल मीडिया पर लगातार अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर रहे है। जिसने साफ पता चल रहा है कि केपटाउन में वो कैसे-कैसे खतरों से जूझ रहे हैं। सेट पर क्या-क्या हो रहा है और कैसे वे एक के बाद एक चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे है। हाल ही में कनिका मान की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जिसमें उन्होंने बताया कि टास्क के दौरान स्टंट करते हुए वो गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। बावजूद इसके उन्होंने अपना टास्क पूरा किया।दर्शकों ने जब से इसकी शूटिंग शुरू होने के बारे में सुना है, उन्हें शो को टीवी पर देखने का बेसब्री से इंतजार है। इस बार शो में रुबीना दिलाइक, प्रतीक सहजपाल, सृति झा, शिवांगी जोशी, अनेरी वजानी, जनन्त जुबैर, तुषार कालिया, मोहित मलिक, निशांत भट्ट, राजीव अदतिया और कई अन्य हस्तियां बतौर कंटेस्टेंट नजर आने वाली है।

बी पार्क के नवजात बच्चे के निधन के बाद परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ करण जौहर सहित इन सितारों ने जताया दुःख

नई दिल्ली। अपनी आवाज से लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाले और हर गाने के साथ लोगों के इमोशन्स को छूने वाले मशहूर सिंगर

बी प्राक और उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ महीने पहले ही बी प्राक ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करके अपने दूसरे बच्चे के दुनिया में आने की खुशी फैंस के साथ शेयर की थी। वह और उनकी पतने मीरा बच्चन दूसरी बार माता-पिता बनने वाले थे, लेकिन जन्म के दौरान ही बी-प्राक के नवजात बच्चे का निधन हो गया। इस बात का खुलासा बी प्राक ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया सिंगर बी प्राक ने 15 जून 2022 को अपने इंस्टाग्राम पर रिटन नोट लिख कर अपने नवजात बच्चे को खोने का दर्द बयां किया। बी प्राक के इस नोट में लिखा है, 'बहुत ही गहरे दर्द के साथ हमें ये बताना पड़ रहा है कि हमारे न्यू बॉर्न बेबी का जन्म के दौरान निधन हो गया। एक माता-पिता के तौर पर हम अपनी जिंदगी के सबसे बड़े दर्द से गुजर रहे हैं। लेकिन हम सभी डॉक्टर्स और स्टाफ्स का अंतिम घड़ी तक उनके सहयोग के लिए शुक्रिया अदा करना चाहते हैं'। हम इस क्षति से पूरी तरह से बिखर गए हैं और अपने ये गुजारिश कर रहे हैं कि इस मुश्किल घड़ी में हमें प्राइवेसी दें' बी प्राक की इस पोस्ट पर टीवी और बॉलीवुड सिनेमा की कई बड़ी हस्तियों में अपना शोक जाहिर किया। करण जौहर ने लिखा, 'मेरे विचार और दुआएं आप दोनों के साथ हैं'। नेहा धूपिया ने लिखा, 'यह खबर दिल तोड़ देने वाली है। मेरी दुआएं प्रेयर आप दोनों और परिवार के साथ हैं'। पंजाबी स्टार एमी विर्क ने भी बी-प्राक द्वारा शेयर की गई इस खबर पर अपना दुःख जाहिर करते हुए लिखा, 'वाहे गुरु पूरे परिवार पर महर करे'। इसके अलावा सिंगर नेहा कक्कड़, युविका चौधरी और गौहर खान सहित कई सितारों ने सिंगर को इस मुश्किल घड़ी में हिम्मत बताई 4 अप्रैल को सिंगर बी प्राक ने अपने दूसरी बात पिता बनने की खुशी रोमांटिक अंदाज में शेयर की थी। उन्होंने पतने मीरा के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें वह समुद्र किनारे खड़े हैं और मीरा बच्चन का बेबी बंप नजर आ रहा है। बी प्राक ने 4 अप्रैल 2019 को मीरा बच्चन के साथ शादी की थी। उनका एक बेटा भी है, जिसका नाम अदब है।

अब 175 करोड़ की मुस्कान ढूंढ रहे कार्तिक आर्यन

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म भूल भुलैया 2 मंगलवार को सिनेमाघरों में 26 दिनों का सफर पूरा कर लिया और फिल्म 175 करोड़ के बेहद करीब पहुंच गयी है। आज बुधवार

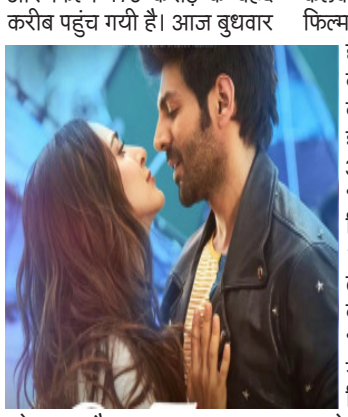

को भूल भुलैया 2 इस अहम पड़ाव को पार कर लेगी। कार्तिक ने फिल्म के शानदार कलेक्शन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। मंगलवार को फिल्म ने 1.29 करोड़ का नेट कलेक्शन किया, जिसके बाद भूल भुलैया 2 का 26 दिनों का कलेक्शन 173.76 करोड़ हो चुका है। फिल्म को 175 करोड़ के लिए बस 1.24 करोड़ ही चाहिए। भूल भुलैया 2 का यह चौथा हफ्ता चल रहा है। चौथे हफ्ते में फिल्म ने शुक्रवार को 1.56 करोड़, शनिवार को 3.01 करोड़, रविवार को 3.45 करोड़ और सोमवार को 1.30 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था। कार्तिक ने फिल्म के कलेक्शंस शेयर करते हुए लिखा- अब 175 करोड़ की स्माइल पक्के तौर पर आने वाली है। इसके साथ उन्होंने झूम रहा हूं हैशटैग लिखा है। अनीस बज्मी निर्देशित भूल भुलैया 2 बीस मई को सिनेमाघरों में पहुंची थी और 14.11 करोड़ की ओपनिंग लेकर फिल्म ने बड़े कलेक्शन की उम्मीद जगा दी थी। भूल भुलैया 2 ने ओपनिंग वीकेंड में ही 55.96 करोड़ जमा कर लिये थे। यह रफ्तार पहले हफ्ते में भी जारी रही और 92.05 करोड़ बटोरे। वहीं, दूसरे हफ्ते में भूल भुलैया 2 ने 49.70 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 21.40 करोड़ का बेहतरीन कलेक्शन किया था। भूल भुलैया 2 के सामने इस दौरान कमल हासन की विक्रम (हिंदी), आयुष्मान खुराना की अनेक, अदिवी शेष की मेजर (हिंदी), अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज और नुसरत भरूचा की जनहित में जारी फिल्में रिलीज हुई।

21 साल के हुए बॉबी देओल के बेटे आर्यमन फोटो देख फैंस बोले- क्या लुक है यार

नई दिल्ली। 16 जून को धर्मेंद्र के पोते और बॉबी देओल के बड़े बेटे आर्यमन देओल ने 21 साल का पड़ाव पार कर लिया। बॉबी ने बेटे को जन्मदिन की मुबारकबाद देते

हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें आर्यमन काफी हैंडसम दिख रहे हैं। आर्यमन की लेटेस्ट तस्वीरें देखकर सोशल मीडिया यूजर्स उनके लुक्स पर लट्टू हो रहे हैं। कई यूजर्स ने आर्यमन को बर्थडे विश करते हुए उनके लुक्स की खूब तारीफ की है। धर्मेंद्र ने भी आर्यन को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा- जीते रहो। वहीं, राहुल देव, सीमा किरन सजदेह, चंकी पांडेय ने भी आर्यमन को विश किया। आने वाले समय में कई स्टार किड्स का सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू होने वाला है। इनमें शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान, बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा से लेकर सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा शामिल हैं। मगर, इन सबके बीच आर्यमन तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। आर्यमन की तस्वीरें पहली बार 2016 में आइफा समारोह में सामने आयी थीं, जिसके बाद आर्यमन अपने लुक्स के लिए अक्सर खबरों में रहते हैं। फैंस उनमें धर्मेंद्र की छवि देखते हैं। बॉबी जब भी आर्यमन की तस्वीर शेयर करते हैं, यूजर्स उनके लुक की तारीफ करते नहीं थकते। आर्यमन को इसके बाद कई दफा बॉबी के साथ सार्वजनिक स्थानों पर देखा गया है। वहीं, सोशल मीडिया के जरिए भी बॉबी बेटे की तस्वीरें साझा करते रहते हैं। पिछले साल बॉबी ने आर्यमन के जन्मदिन पर 16 जून को तस्वीरें शेयर करके बर्थडे विश किया था, जिन पर कई फैंस ने कमेंट किये थे। फैंस ने आर्यमन को बॉलीवुड का अगला सुपरस्टार बताया था। कुछ फैंस ने तो आर्यमन को लेकर फिल्म बनाने की सलाह तक दे डाली थी। एक अन्य फैन ने लिखा था कि यह लड़का बॉलीवुड में छा जाएगा। आर्यमन, बॉबी और तान्या के बेटे है। बॉबी इन दिनों अपनी वेब सीरीज आश्रम 3 के लिए चर्चा में है, जो एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो चुकी है। इस सीरीज में बॉबी बाबा निराला के किरदार में नजर आते है। प्रकश झा निर्देशित यह सीरीज काफी लोकप्रिय हुई है। वहीं, धर्मेंद्र करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आएंगे।

'कश्मीर फाइल्स' में दिखाए नरसंहार की तुलना गाय के लिए लिंचिंग से की, विवादित बयान से मचा बवाल

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस साई पल्लवी के एक बयान पर देशभर में तूफान खड़ा हो गया है। एक्ट्रेस ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में हिंसा और धर्म के मुद्दे पर बॉलीवुड की चर्चित फिल्म कश्मीर फाइल्स का जिक्र करते हुए कहा - इस फिल्म में दिखाया गया

है कि किस तरह से उस समय कश्मीरी पंडितों की हत्या की गई। लेकिन इसके आगे उन्होंने कहा कि अगर हिंसा को आप धर्म से जोड़ कर देखें तो कुछ दिनों पहले गायों से भरा एक ट्रक ले जा रहे मुस्लिम व्यक्ति को भी पीट कर उसे जय श्री राम के नारे लगाने को कहा गया। इन दोनों घटनाओं में फर्क क्या है साई पल्लवी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'विराट पर्वम' के प्रमोशन में बिजी है। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लकड़ी का रोल प्ले किया है, जो एक नक्सली के प्यार में पड़ जाती है। तेलुगु भाषा की ये फिल्म 17 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसी के प्रमोशन के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए साई ने ये विवादित बयान दिया है। एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में साई से पूछा गया कि फिल्म में वो एक नक्सली को प्यार करती हैं, क्या रियल लाइफ में कभी इस विचारधारा से उनका जुड़ाव रहा है। तो उन्होंने जवाब दिया कि- मैं किसी के पक्ष में नहीं हैं। मगर इसके बाद उन्होंने कश्मीर फाइल्स के बहाने धर्म और हिंसा पर बात की और कहा कि समाज में जो भी वर्ग दबा-कुचला है, उसकी रक्षा होनी चाहिए, बिना किसी भेदभाव के। चाहे वह लेफ्ट-विंग का हो या राइट-विंग का।इसी इंटरव्यू में साई ने आगे कहा- द कश्मीर फाइल्स ने दिखाया कि उस समय कैसे कश्मीरी पंडितों की हत्या की गई थी। यदि आप इस मुद्दे को एक धार्मिक संघर्ष के रूप में ले रहे है, तो हाल ही में एक घटना हुई जहां गायों को ले जा रहे एक मुस्लिम चालक को पीटा गया और 'जय श्री राम' के नारे लगाने के लिए मजबूर किया गया। तो इन दोनों घटनाओं में अंतर कहां है, एक अतीत से , और दूसरा वर्तमान में।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :— इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :— इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274